दैनिक राष्ट्रीय गरिमा

शुभ प्रभात

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com

राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

धनतेरस आज

■ भोपाल, शुक्रवार 06 नवम्बर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 141 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com

कोयले का ढेर धंसने से हुए हादसे में तीन महिलाओं की मौत,छह घायल

बोकारो। झारखंड के बोकारो जिले के बेरमो अनुमंडल में गुरुवार तड़के बड़ा हादसा हो गया। सीसीएल के कथारा क्षेत्र अंतर्गत कथारा कोलियरी के पांच नंबर पुराने कोयला स्टॉक में कोयले का ढेर धंसने से तीन महिलाओं की दबकर मौत हो गई,जबकि छह अन्य लोग घायल हो गए। हादसे के समय नौ लोग कोयला चुनने के लिए पुराने स्टॉक में पहुंचे थे। इसी दौरान अचानक कोयले का ढेर धंस गया और सभी इसकी चपेट में आ गए। मृतकों की पहचान मंडई टोला निवासी पुष्पा देवी (पति गल्लू रजवार), पारटांड़ निवासी कौशल्या देवी (पति विश्वनाथ यादव उर्फ मुंडला यादव) और बाबूराम टोला निवासी सहोदरी देवी (पति हीरालाल यादव) के रूप में हुई है। सुबह करीब चार बजे कथारा क्षेत्रीय अस्पताल में चिकित्सकों ने तीनों महिलाओं को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद ग्रामीण शवों को लेकर अपने घर चले गए। हादसे में घायल छह लोगों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें पांच लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि एक घायल का इलाज जारी है। उसकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलने पर सीसीएल प्रबंधन के पीओ रंजीत कुमार, एसओ सेफ्टी आरके वर्णवाल सहित कई अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। प्रबंधन की ओर से पेलोडर मशीन लगाकर धंसे हुए कोयले को हटाया गया और जांच की गई।

दिल्ली के चावड़ी बाजार इमारत हादसे में दो की मौत,जांच के आदेश दिये

नई दिल्ली। दिल्ली के चावड़ी बाजार इलाके में गुरुवार सुबह निर्माणाधीन तीन मंजिली इमारत गिरने से दो लोगों की मौत हो गयी और चार अन्य घायल हो गए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हादसे की जांच कराने और ठेकेदार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है। उन्होंने घटना स्थल पर पहुंच कर राहत एवं बचाव कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ गृहमंत्री आशीष सूद भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने संबंधित जूनियर इंजीनियर और असिस्टेंट इंजीनियर को तत्काल निलंबित करने और घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराने और प्रभावित परिवारों को तत्काल अनुग्रह राशि प्रदान करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि टीमें मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने और प्रभावित परिवारों को तुरंत मदद पहुंचाने के लिए काम कर रही हैं। हर नागरिक की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि जिम्मेदारी संपत्ति मालिकों की भी है। इनमें से कई गलियां मुश्किल से दो से तीन फुट चौड़ी हैं, जिससे आवागमन बेहद मुश्किल हो जाता है। नियमों का खुलेआम उल्लंघन करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है और आगे की कार्रवाई की जाएगी। एनडीआरएफ ने घटनास्थल पर तलाशी और बचाव अभियान चलाया। दिल्ली पुलिस के अनुसार इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई है और चार घायल हैं।

उत्तरकाशी की भागीरथी नदी में गिरी गुजरात की कार,4 लोगों की मौत

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी जिले के भटवाड़ी तहसील क्षेत्र में गंगनानी के पास गुरुवार सुबह एक कार (इनोवा) भागीरथी नदी में गिर गई। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई,जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना में लापता दो महिलाओं की तलाश की जा रही है। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, सुबह करीब सात बजे गंगनानी में गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर भागीरथी नदी में गिरने से इनोवा दुर्घटनाग्रस्त हो गई। वाहन में चालक सहित कुल सात लोग सवार थे। सूचना मिलते ही पुलिस, एसडीआरएफ, 108 एंबुलेंस, मेडिकल टीम और राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची। बचाव दल ने नदी से एक घायल व्यक्ति को सड़क तक पहुंचाया। उसे हेलीकॉप्टर से रेफर किए जाने की कार्रवाई की जा रही है। लापता दोनों महिलाओं की तलाश में अभियान जारी है। प्रशासन के अनुसार, मृतकों में दो महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। मृतकों की पहचान गुजरात के सूरत शहर निवासी अशोकबेन पटेल (49), संगीताबेन पटेल (39), धनश्यामभाई सरवैया (32) और वाहन चालक सुरेंद्र सिंह (नाममालूम, 28) के रूप में हुई है। घायल की पहचान वेदांत अशोकभाई पटेल (17) के रूप में हुई है। वहीं, लापता महिलाओं की पहचान सुधाबेन अशोकभाई पटेल (45) और किरणबेन विशालभाई पटेल (34) के रूप में हुई है। जिला प्रशासन, पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें लापता महिलाओं की तलाश में जुटी हैं।

एसआईआर पर संसद का विशेष सत्र बुलाने को तैयार है सरकार : अमित शाह

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा घुसपैठियों को पहले मतदाता सूची से बाहर करेंगे,फिर देश से



चंडीगढ़,नवंबर (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत की मतदाता सूची व इस देश में घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं है। कांग्रेस तीन करोड़ घुसपैठियों को बचाने के लिए देशभर में रैलियां निकाल रही है। अमित शाह गुरुवार को करनाल में आयोजित लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ रैली को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह प्रधानमंत्री को बहस की चुनौती देते हैं, लेकिन देश के मुद्दों पर संसद में चर्चा करने से बचते हैं। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा के लिए लोकसभा का विशेष सत्र बुलाने को तैयार है, लेकिन राहुल गांधी अपनी और अपने साथियों की यह गारंटी दें कि वे संसद में इस मुद्दे पर चर्चा से भागेंगे नहीं। अमित शाह ने कहा कि घुसपैठियों को बचाने के लिए रैली करने वाली कांग्रेस 13 करोड़ वोट कटने का दावा करती है। जिसकी सच्चाई यह है कि 2.8 करोड़ मतदाताओं की मृत्यु हो चुकी है। सवा छह करोड़ मतदाता ऐसे हैं जो दूसरे राज्यों में शिफ्ट हो चुके हैं। देश में एक करोड़ मतदाता ऐसे हैं जिनके तीन से ज्यादा स्थानों पर वोट थे। तीन करोड़ मतदाता ऐसे हैं जो न तो चुनाव आयोग के सामने आ रहे हैं और न ही धरातल पर दिखाई दे रहे हैं। इन्हीं घुसपैठियों को बचाने के लिए कांग्रेस सड़कों पर है। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार इन घुसैपठियों को पहले मतदाता सूची से बाहर करेगी और फिर देश से बाहर करेगी। हाथ में संविधान लेकर चलने वाले संसद की बात सड़क पर करते हैं। संवैधानिक संस्था का सबसे अधिक अपमान करते हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर कांग्रेस के खिलाफ अभियान तेज करने के निर्देश देते हुए गृहमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस लगातार चुनाव हार रही है और देश की संवैधानिक संस्थाओं में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व खत्म हो रहा है। अमित शाह ने हरियाणा में नेता प्रतिपक्ष हुड्डा पर तंज कसते हुए कहा कि 2024 में कांग्रेस ने लड्डू तो बनवाए लेकिन जीत भाजपा को मिली। इसके बाद महाराष्ट्र,बिहार व दिल्ली समेत कई राज्यों से कांग्रेस का सुपड़ा साफ हो गया। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि वर्ष 2014 व 2019 में एसआईआर नहीं थी, फिर भी कांग्रेस चुनाव हार गई। लगातार मिल रही हार से बौखलाकर कांग्रेसी एसआईआर के सिर ठीकरा फोड़ रहे हैं।

2029 में जनता के बीच सभी वादे पूरे करके जाएगी भाजपा : शाह

चंडीगढ़। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि वह भले ही धीरे-धीरे बोलते हैं,लेकिन काम करने में बहुत तेज हैं। उन्होंने हरियाणावासियों को भरोसा दिलाया कि वर्ष 2029 में जब भाजपा जनता के बीच वोट मांगने जाएगी, तब पार्टी अपने घोषणा पत्र में किए गए सभी वादों और गारंटियों को पूरा करके जाएगी। अमित शाह गुरुवार को अंबाला में आजादी की पहली लड़ाई (1857) के शहीद स्मारक के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जहां 10 मई, 1857 को क्रांतिवीरों ने अंग्रेजों के शासन के विरुद्ध क्रांति का बिगुल फुंका था और उनकी एक शुरुआत पूरे देशभर में देखते ही देखते आग बनकर फैल गई थी। पूरी दुनिया देखकर आश्चर्यचकित रह गई थी कि जिस अंग्रेजी सरकार का सूर्य कहीं डूबता नहीं था,उसकी नींव हिलाकर रखने वाला वो 1857 का स्वतंत्रता संग्राम,जिस अंबाला की भूमि पर शुरू हुआ, उसे मैं बार-बार प्रणाम करता हूं। अमित शाह ने कहा कि 1857 के स्वतंत्रता संग्राम को अंग्रेजियत से प्रेरित, वामपंथी विचारधारा वाले इतिहासकारों ने एक विद्रोह का नाम दिया। विद्रोह शब्द है अंग्रेजों के लिए। वीर सावरकर ने सच कहा था कि क्रांति हम सब भारत माता की संतानों के लिए विद्रोह नहीं बल्कि स्वतंत्रता संग्राम है। उन्होंने कहा कि सन 1857 से लेकर 1947 तक का 90 साल का यह महान संघर्ष,जिसमें अनेक शहीदों ने सर्वस्व बलिदान दिया, तब जाकर हमें आजादी मिली।

विपक्ष के थिंक टैंक में चरमपंथी विचारधारा के लोगों का प्रभाव : मंत्री भूपेंद्र यादव

केंद्रीय मंत्री ने पटना में कहा लोकतंत्र के नाम पर विपक्ष के नेता फैला रहे भ्रम



पटना,(एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र यादव ने गुरुवार को पटना में आयोजित पत्रकार वार्ता में कांग्रेस सहित विपक्षी दलों पर लोकतंत्र के नाम पर भ्रम फैलाने और अराजकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के थिंक टैंक में चरमपंथी विचारधारा के लोगों का प्रभाव है, जो लोकतंत्र के नाम पर भ्रम फैला रहे हैं। भूपेंद्र यादव ने कहा कि बिहार की धरती लोकतंत्र की प्रेरणादायी भूमि रही है। भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में बिहार का महत्वपूर्ण योगदान है। जब कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर लोकतंत्र को कुचलने का प्रयास किया था, तब जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में बिहार से ही लोकतंत्र की रक्षा का संकल्प और संघर्ष शुरू हुआ था। उन्होंने कहा कि बिहार में काम करते हुए उन्होंने लोकतांत्रिक परंपराओं, विचार-विमर्श और जनभागीदारी का महत्व सीखा है। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 324 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के तहत निर्वाचन आयोग को मतदाता सूची के पुनरीक्षण का अधिकार है। विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित और दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाताओं के नामों को दुरुस्त करना तथा पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करना है। वर्ष 1950 से 2024 तक आठ बार गहन पुनरीक्षण हो चुका है। पहले किसी राजनीतिक दल ने इस सामान्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया का विरोध नहीं किया। भाजपा नेता ने कहा कि बिहार में लगभग 7.89 करोड़ मतदाताओं के लिए घर-घर जाकर सत्यापन किया गया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों को प्रारूप सूची उपलब्ध कराई गई थी। सर्वोच्च न्यायालय में हुई सुनवाई के दौरान सामने आया कि 1.60 लाख बीएलए में से केवल दो आपत्तियां दर्ज कराई गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने 89 लाख मतदाताओं के नाम काटे जाने का दावा किया, लेकिन निर्वाचन आयोग द्वारा फॉर्म-7 भरने को कहे जाने के बावजूद आपत्तियां दर्ज नहीं कराई गईं। यादव ने कहा कि विपक्ष को यदि मतदाता सूची पर वास्तविक आपत्ति थी, तो उसे संवैधानिक प्रक्रिया के तहत सामने आना चाहिए था। केवल राजनीतिक बयानबाजी से लोकतंत्र मजबूत नहीं होता। भूपेंद्र यादव ने विपक्षी दलों के थिंक टैंक में चरमपंथी विचारधारा के लोगों के प्रभाव होने की बात करते हुए कहा कि कांग्रेस, राजद और समाजवादी पार्टी के निर्णयों पर ऐसे लोगों का प्रभाव बढ़ा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता अपने राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए लोकतंत्र के नाम पर भ्रम फैलाते हैं। यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक संवाद और जनविश्वास को कमजोर करती है। उन्होंने कहा कि विपक्ष चुनाव में जीतने पर लोकतंत्र की जीत बताता है और हारने पर चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाता है। केरल में जीत को लोकतंत्र की जीत बताने वाले दल बिहार और अन्य राज्यों में हारने पर एसआईआर और ईवीएम को दोष देते हैं।

पंजाब पीसीएस परीक्षा में भ्रष्टाचार की सीबीआई जांच हो : तरुण चुग

भाजपा नेता तरूण चुग ने मांगा पंजाब के सीएम भगवंत मान का इस्तीफा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने पंजाब के पीसीएस मुख्य परीक्षा-2026 के नतीजों में सामने आई गंभीर अनियमितताओं को लेकर मुख्यमंत्री भगवंत मान पर राज्य के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है। भाजपा ने राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को पत्र लिखकर पूरे मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच करवाने, चयन प्रक्रिया तत्काल रोकने और जांच पूरी होने तक सभी संबंधित रिकॉर्ड एवं साक्ष्यों को सुरक्षित करने की मांग की है। भाजपा के केंद्रीय मुख्यालय प्रभारी एवं सांसद तरुण चुग ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि भगवंत मान और अरविंद केजरीवाल की बिना पैसे और बिना सिफारिश नौकरी देने का दावा करने वाली सरकार आज पंजाब की सबसे बड़ी भर्ती परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर ही सवाल खड़े कर रही है। जिस मुख्यमंत्री ने युवाओं को रोजगार के सपने दिखाकर सत्ता हासिल की, उसी के कार्यकाल में बार-बार पेपर लीक,भर्ती में धांधली और चयन प्रक्रिया में अनियमितताओं के आरोप सामने आ रहे हैं। भगवंत मान को बताना चाहिए कि आखिर पंजाब के युवाओं के साथ यह अन्याय कब तक चलता रहेगा? चुग ने कहा कि 4 नवंबर की देर रात घोषित पीसीएस मुख्य परीक्षा के परिणाम ने पूरे पंजाब को झकझोर दिया है। अभ्यर्थियों का आरोप है कि जिन उम्मीदवारों ने परीक्षा दी ही नहीं, उनके रोल नंबर तक सफल अभ्यर्थियों की सूची में दिखाई दे रहे हैं। एक ही परीक्षा केंद्र से 24.21 प्रतिशत अभ्यर्थियों का चयन, 86 उम्मीदवारों के लगातार तीन या चार रोल नंबरों के समूह में शॉर्टलिस्ट होने और कुछ परीक्षा कक्षों से 10 से 11 उम्मीदवारों के चयन जैसे गंभीर सवाल सामने आए हैं। 331 विज्ञापित पदों के मुकाबले केवल 751 उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए बुलाए जाने पर भी सवाल उठ रहे हैं, जबकि निर्धारित मानदंड के अनुसार तीन गुना उम्मीदवारों को बुलाए जाने की मांग की जा रही है।

मध्यप्रदेश से राज्यसभा के लिए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी हुए निर्वाचित



कोई उम्मीदवार मैदान में नहीं होने से मतदान कराने की आवश्यकता नहीं पड़ी

भोपाल। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी एक बार फिर राज्यसभा सदस्य निर्वाचित हो गए हैं। उन्होंने मध्य प्रदेश से निर्विरोध निर्वाचन हासिल किया है। गुरुवार,5 नवंबर को नामांकन वापस लेने की निर्धारित समयसीमा समाप्त होने के बाद उनके निर्वाचन का रास्ता साफ हो गया। इस सीट पर अन्य कोई उम्मीदवार मैदान में नहीं बचा था,जिसके चलते मतदान कराने की आवश्यकता नहीं पड़ी। भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश की रिक्त राज्यसभा सीट के लिए हरदीप सिंह पुरी को अपना उम्मीदवार बनाया था। उन्होंने 31 अक्टूबर को भोपाल स्थित मध्य प्रदेश विधानसभा में अपना नामांकन दाखिल किया था। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव, उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल और जगदीश देवड़ा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। नामांकन पत्रों की जांच के दौरान पुरी की उम्मीदवारी पर कांग्रेस नेताओं और निर्दलीय उम्मीदवारों की ओर से आपत्तियां दर्ज कराई गई थीं। हालांकि,निर्वाचन अधिकारी उमेश कुमार शर्मा ने सुनवाई और दस्तावेजों की जांच के बाद सभी आपत्तियों को खारिज कर दिया था। उन्होंने पुरी का नामांकन वैध घोषित किया था। वहीं, निर्दलीय उम्मीदवार राजकुमार लोहानी का नामांकन निर्धारित समय तक अनिवार्य प्रपत्र-26 के शपथपत्र जमा नहीं करने के कारण निरस्त कर दिया गया। दूसरे उम्मीदवार कांते सयन्ना का नामांकन विधानसभा सदस्यों के आवश्यक समर्थन की शर्त पूरी नहीं होने के कारण खारिज हुआ। इस तरह पुरी ही चुनाव मैदान में एकमात्र वैध उम्मीदवार रह गए थे। हरदीप सिंह पुरी के नामांकन को लेकर कांग्रेस की ओर से भी सवाल उठाए गए थे। कांग्रेस नेताओं ने प्रपत्र-26 में कथित कमियों और जानकारी को लेकर आपत्ति जताई थी। कांग्रेस नेता हेमंत कटारे और विधायक आतिफ अकील ने निर्वाचन अधिकारी के फैसले को अदालत में चुनौती देने की बात भी कही थी। हालांकि,निर्वाचन अधिकारी ने उपलब्ध दस्तावेजों और आपत्तियों की समीक्षा के बाद पुरी के नामांकन को नियमों के अनुरूप माना। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश की यह राज्यसभा सीट केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन के इस्तीफे के बाद रिक्त हुई थी। उन्होंने 13 अक्टूबर को राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिया था। इसके बाद इस सीट पर उपचुनाव की प्रक्रिया शुरू की गई थी। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 12 नवंबर को मतदान और मतगणना होनी थी, लेकिन अन्य दोनों उम्मीदवारों के नामांकन निरस्त होने और नाम वापसी की समयसीमा समाप्त होने के बाद मतदान की आवश्यकता समाप्त हो गई।

घर में रखे पटाखों में विस्फोट से युवक की मौत, तीन गंभीर रूप से घायल

मदुरै। जिले के मेलूर के पास घर की छत पर असुरक्षित तरीके से रखे गए दिवाली के पटाखों में जोरदार विस्फोट हो गया। हादसे में एक छात्र की मौत हो गई। वहीं, तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का इलाज चल रहा है। मदुरै जिले के कोट्टामपट्टी के पास करुंगालाकुडी कीलाथेरू निवासी जयभारती के बेटे योगेश (20) और उनके मित्र मनोज (21) ओत्ताकडई के पास स्थित एक निजी कॉलेज में पढ़ाई कर रहे थे। दिवाली के लिए दोनों ने हजारों रुपये के पटाखे खरीदकर घर की छत पर बने एक अलग कमरे में रख दिए थे। आधी रात को अचानक छत पर रखे पटाखों में जोरदार धमाका हुआ। हादसे में छत पर बना कमरा ढह गया। इस विस्फोट में मनोज, योगेश और उनकी मां योगवाणी (45) गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग के जवान और पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और तीनों घायलों को मेलूर सरकारी अस्पताल पहुंचाया।

एसआईआर का विरोध कर रही कांग्रेस ने खोया जनता का विश्वास : अश्विनी वैष्णव

केंद्रीय मंत्री ने जयपुर में लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान को संबोधित



जयपुर,(एजेंसी)। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मतदाता सूची को शुद्ध एवं प्रमाणिक बनाने के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) आवश्यक प्रक्रिया है, लेकिन कांग्रेस इसका विरोध कर भ्रम और दुष्प्रचार फैला रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता का विश्वास खो चुकी है और अब लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सवाल उठाकर अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बनाए रखने का प्रयास कर रही है। वैष्णव गुरुवार को जयपुर के रामलीला मैदान में भाजपा के लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के तहत आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एसआईआर कोई नई प्रक्रिया नहीं है। वर्ष 1947 के बाद विभिन्न सरकारों के कार्यकाल में कई बार यह प्रक्रिया अपनाई गई है। दिवंगत व्यक्तियों के नाम हटाना,स्थान परिवर्तन करने वाले मतदाताओं के नाम संशोधित करना और एक से अधिक स्थानों पर दर्ज नामों को दुरुस्त करना इसका आवश्यक हिस्सा है। मतदाता सूची लोकतंत्र का मूल आधार है और निर्वाचन आयोग का दायित्व इसे त्रुटिरहित बनाना है। केंद्रीय मंत्री ने ईवीएम का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके आने के बाद चुनावी व्यवस्था में महत्वपूर्ण सुधार हुए और प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनी। कांग्रेस केरल में ईवीएम से चुनाव जीतने पर सवाल नहीं उठाती, लेकिन अन्य अवसरों पर इसी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करती है। उन्होंने कांग्रेस को संसद में खुली बहस की चुनौती देते हुए कहा कि राजनीति सोशल मीडिया पर आरोप-प्रत्यारोप से नहीं, बल्कि जनता का विश्वास जीतने से चलती है। उन्होंने कहा कि अब आतंकवाद का कोई भी दुस्साहस बर्दाश्त नहीं किया जाता और सीमा पार से आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने वालों को उनके घर में घुसकर जवाब दिया जाता है। उन्होंने नक्सलवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस ने नक्सलवाद को पनपाया और अपने ही देश के लोगों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा किया। केंद्र सरकार ने नक्सलवाद को जड़-मूल से समाप्त करने का संकल्प लेकर इस दिशा में निर्णायक सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि अब सरकार ने इसी तरह नशे के खिलाफ भी संकल्प लिया है। आने वाले समय में नक्सलवाद की तरह नशे को भी देश से समाप्त किया जाएगा और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस पर लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति दोहरे रवैये का आरोप लगाते हुए कहा कि लोकतंत्र की बात करने से पहले कांग्रेस को आपातकाल और अपने लोकतंत्र विरोधी इतिहास का जवाब देना चाहिए। उस दौरान लोकतंत्र सेनानियों को महीनों जेल में रहना पड़ा और उनके परिवारों को भी यातनाएं झेलनी पड़ीं। कांग्रेस ने संविधान के अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग कर कई निर्वाचित सरकारों को बर्खास्त किया था। शर्मा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने आचरण से लोकतांत्रिक मर्यादाओं का सम्मान करना सिखाया।

स्टेट हाइवे से ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे तक मजबूत होगा कनेक्टिविटी नेटवर्क : सीएम डॉ.मोहन यादव



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सड़कें विकास की वास्तविक जीवन रेखा होती हैं। मध्यप्रदेश का कोई गांव, कस्बा या शहर बेहतर सड़क संपर्क से वंचित न रहे। हर गांव-शहर को बारहमासी सड़कों से जोड़ना ही हमारा लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में स्टेट हाईवे, फोर लेन, सिक्स लेन, 8 लेन और ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे के निर्माण के माध्यम से आधुनिक सड़क नेटवर्क विकसित किया जा रहा है। इससे प्रदेश में कनेक्टिविटी का नेटवर्क और मजबूत होगा। मुख्यमंत्री डॉ.यादव गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम मंडल के संचालक मंडल की 49वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों से कहा कि सड़कों के जो काम निर्माणाधीन हैं, उनमें कार्य की गति बढ़ाकर तेजी से पूरा कर लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सड़कों का जाल बिछाना है। इसके लिए लोक निर्माण विभाग, नगरीय प्रशासन, ग्रामीण विकास,उद्योग और मप्र हाऊसिंग बोर्ड के साथ आपसी तालमेल से काम करें। सड़क निर्माण कार्यों की गति तेज करें, मेजर डिस्ट्रिक्ट रोड पर भी काम करें तथा सभी संभावनाओं पर एक साथ काम करें। मुख्यमंत्री ने निगम द्वारा प्रस्तावित राजमार्ग निधि का नया नामकरण किया। अब यह निधि विकसित मध्यप्रदेश संकल्प पथ के रूप में जानी जाएगी। बैठक में लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह भी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में करीब 63 हजार 296 करोड़ रुपए की लागत से कुल 1398 किमी लंबाई वाले पांच ग्रीनफील्ड कॉरिडोर्स तैयार करने के लिए सभी तैयारियां की जा रही हैं। यह फोर लेन ग्रीनफील्ड एक्सेस-कंट्रोल्ड कॉरिडोर, पेव्हड शेल्डर सहित होंगे।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों से पकड़ा सोयाबीन चोर गिरोह



16 क्विंटल से अधिक माल बरामद

मंदसौर। नई आबादी थाना पुलिस ने सोयाबीन चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 16 क्विंटल 40 किलोग्राम सोयाबीन और वारदात में इस्तेमाल की गई बोलेरो पिकअप जब्त की है। मामले में दो अन्य आरोपी फरार हैं। गिरफ्तार आरोपी ने पूछताछ में मंदसौर जिले के अफजलपुर, सीतामऊ और रतलाम जिले के असावती क्षेत्र में भी सोयाबीन व लहसुन चोरी की वारदातें करना कबूल किया है। पुलिस के अनुसार, 23 अक्टूबर 2026 को सीतामऊ फाटक ब्रिज के नीचे बने ब्लॉक से अज्ञात बदमाशों ने सोयाबीन चोरी की थी। फरियादी की रिपोर्ट पर नई आबादी थाने में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेर सिंह बघेल और नगर पुलिस अधीक्षक जितेंद्र सिंह भास्कर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कुलदीप सिंह राठौर के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज सहित तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की। इसके बाद पुलिस ने निगरानी और योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए श्रवण मोंगिया को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपने दो साथियों हंसराज मोंगिया और राकेश मोंगिया के साथ मिलकर चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी में प्रयुक्त बोलेरो पिकअप और सोयाबीन बरामद किया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार श्रवण मोंगिया का आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है। उसके विरुद्ध अफजलपुर थाने में वर्ष 2021 के दौरान चोरी और नकबजनी के चार प्रकरण दर्ज हैं। *8.15 लाख का माल जब्त* पुलिस ने कार्रवाई में 16 क्विंटल 40 किलोग्राम सोयाबीन, जिसकी कीमत करीब 1 लाख 15 हजार रुपए है, तथा महिंद्रा बोलेरो पिकअप क्रमांक MP70G0479, जिसकी कीमत करीब 7 लाख रुपए है, जब्त की है। इस तरह कुल 8 लाख 15 हजार रुपए की सामग्री बरामद की गई है। *एक गिरफ्तार, दो की तलाश* गिरफ्तार आरोपी श्रवण पिता रामचंद्र मोंगिया (21), निवासी नई आबादी अफजलपुर, जिला मंदसौर है। वहीं उसके साथी हंसराज पिता बाबुसिंह उर्फ बाबूलाल मोंगिया और राकेश पिता भोमसिंह मोंगिया, निवासी रंगाराखेड़ी, थाना कानवन, जिला धार फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

IFMIS सॉफ्टवेयर की कार्यप्रणाली और वित्तीय नियमों से अधिकारियों को कराया अवगत



मंदसौर। जिला कोषालय मंदसौर द्वारा जिले के समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों (डीडीओ) के लिए IFMIS सॉफ्टवेयर का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ई-दक्ष केंद्र में आयोजित इस प्रशिक्षण में वरिष्ठ कोषालय अधिकारी सुनील डावर ने IFMIS Cares Theme के अंतर्गत अधिकारियों को सॉफ्टवेयर की कार्यप्रणाली, वित्तीय नियमों और कार्यालयीन दायित्वों की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को वित्तीय अधिकार शक्ति पुस्तिका, कोषालय संहिता, कोषालय में देयकों के प्रस्तुतीकरण की प्रक्रिया, IFMIS सॉफ्टवेयर पर उपलब्ध रिपोर्ट्स तथा डीडीओ स्तर पर बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों के बारे में समझाया गया। इसके साथ ही सॉफ्टवेयर के प्रभावी उपयोग और प्रक्रियागत कार्यों के संबंध में भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में IFMIS सॉफ्टवेयर के संचालन के दौरान आने वाली तकनीकी समस्याओं के नियमानुसार समाधान के तरीके बताए गए। साथ ही अधिकारियों द्वारा बताई गई विभिन्न समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को सॉफ्टवेयर की प्रक्रियाओं और वित्तीय नियमों की बेहतर समझ प्रदान कर शासकीय कार्यों को सुचारु एवं नियमानुसार संपादित करने में सक्षम बनाना रहा।

विधि महाविद्यालय में तीन दिवसीय युवा उत्सव प्रतियोगिता आयोजित

मंदसौर। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित युवा उत्सव प्रतियोगिता के अंतर्गत श्री जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय मंदसौर में 3 से 5 नवंबर तक अंतरकक्षा महाविद्यालय स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन किया गया। तीन दिवसीय प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने रंगोली, वाद-विवाद, वक्तृत्व, एकांकी एवं पोस्टर सहित विभिन्न विधाओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में विजेता रहे विद्यार्थी 17 नवंबर को आयोजित होने वाली जिला स्तरीय युवा उत्सव प्रतियोगिता में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस अवसर पर युवा उत्सव प्रभारी हरिओम सिंह सोनगरा ने विद्यार्थियों को जिला स्तरीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए मार्गदर्शन दिया।

कृषि आदान विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण, बीज गुणवत्ता जांच के लिए नमूने लिए

हरदा। कलेक्टर श्री कुमार सत्यम के निर्देशानुसार एवं उपसंचालक कृषि श्री प्रकाश ठाकुर के मार्गदर्शन में कृषि विभाग की विकासखंड स्तरीय टीमों द्वारा जिले में कृषि आदान विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान टिमरनी विकासखंड में जेपी एग्रो, पूजा एजेंसी, आदर्श बीज उत्पादक क्रय-विक्रय समिति चारखेड़ा, मयंक एग्रो एंड एग्रीटेक चरखेड़ा एवं हिंद खाद भंडार सहित विभिन्न प्रतिष्ठानों की जांच की गई। इसी प्रकार खिरकिया विकासखंड में किसान बीज उत्पादक समिति, श्रेयांशी सहकारी बीज उत्पादक समिति मर्यादित एवं मां वक्रांगी एग्री सहित अन्य प्रतिष्ठानों के अभिलेखों की जांच की गई। साथ ही बीज की गुणवत्ता का परीक्षण कराने के लिए नमूने एकत्रित किए गए। निरीक्षण के दौरान कृषि आदान विक्रेताओं को निर्देशित किया गया कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज ही उपलब्ध कराएं तथा प्रत्येक किसान को सामग्री विक्रय पर अनिवार्य रूप से पक्का बिल प्रदान करें। विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निरीक्षण एवं जांच की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

आयकर विभाग ने प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को किया सम्मानित

हरदा। आयकर कार्यालय हरदा द्वारा सतर्कता जागरूकता अभियान 2026 के अंतर्गत आयोजित निबंध लेखन, पेंटिंग और नारा लेखन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को गत दिवस पुरस्कार वितरित किए गए। 26 अक्टूबर को आयोजित इन प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरण समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल, शील्ड, उपहार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रधान आयकर आयुक्त-1, भोपाल के नेतृत्व एवं संयुक्त आयकर आयुक्त, परिक्षेत्र-1, श्री सौरभ कुमार शर्मा के निर्देशन में किया गया। आयकर अधिकारी-1 हरदा श्री ललन कुमार सहित विभागीय अधिकारियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। समारोह में कुल 10 पुरस्कारों की घोषणा की गई। निबंध लेखन और नारा लेखन प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। वहीं पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार दिए गए। पेंटिंग प्रतियोगिता में चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को जीवन में सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और पारदर्शी आचरण अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में आयकर विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, शहर के गणमान्य नागरिक, प्रतियोगिता में शामिल स्कूलों के प्राचार्य एवं शिक्षक तथा सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों के अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आयकर अधिकारी श्री ललन कुमार ने सभी अतिथियों, विद्यालयों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सांसद प्रतिनिधि कमल पटेल का मानसिक संतुलन ठीक नही, अच्छे डॉक्टर से उपचार करावे : विधायक दोगने

जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहन सांई, विधायक प्रतिनिधि राहुल पटेल



हरदा ~ हरदा विधायक डॉ. रामकिशोर दोगने द्वारा निज निवास पर आयोजित पत्रकारवर्ता को हरदा विधायक डॉ. रामकिशोर दोगने, जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहन सांई, विधायक प्रतिनिधि राहुल पटेल ने संबोधित करते हुए कहा कि सांसद प्रतिनिधि कमल पटेल का मानसिक संतुलन ठीक नही है। इस हेतु सांसद प्रतिनिधि कमल पटेल के परिजनों से आग्रह किया है कि वह सांसद प्रतिनिधि कमल पटेल का उपचार अच्छे डॉक्टर से करावे। उपचार का पूरा खर्चा भी हरदा विधायक डॉ. दोगने स्वयं व्यय करेंगे। हरदा विधायक डॉ. दोगने द्वारा कहा गया कि सांसद प्रतिनिधि कमल पटेल द्वारा पत्रकारवर्ता आयोजित कर कांग्रेस पार्टी, मेरे ऊपर व विधायक प्रतिनिधि राहुल पटेल के ऊपर जो भी अर्नगल आरोप लगाये है वह निराधार है और उनकी ओछी मानसिकाता का प्रदर्शन करते है। सांसद प्रतिनिधि कमल पटेल का मानसिक संतुलन ठीक नही है। इस हेतु उन्हे अच्छे डॉक्टर से उपचार कराना चाहिए। जिसका खर्चा भी मैं उठाने को तैयार हूँ। सांसद प्रतिनिधि कमल पटेल कांग्रेस पार्टी व मेरे ऊपर झूठे आरोप लम्बे समय से लगाते आ रहे है परन्तु मैं उनसे पूछना चाहता हूँ कि आपके पास कोई ठोस तथ्य है या इस प्रकार का कृत्य आप मिडिया में बने रहने और अपनी झूठी राजनिति चमकाने के लिए करते रहते है। जनता सब जानती है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहन सांई ने कहा कि जिस प्रकार देश एवं प्रदेश में भा.ज.पा. अपनी राजनैतिक रोटी सेकने के लिए गांधी परिवार और नेहरू जी के विरूध अर्नगल टिप्पणी करते रहते है जिससे वह मिडिया में बने रहे। उसी प्रकार सांसद प्रतिनिधि कमल पटेल हरदा विधायक डॉ. दोगने के विरूध अर्नगल बाते करते रहते है। जिससे वह मिडिया में बने रहे और उनकी झूठी राजनिति चमकती रहे। इनके द्वारा क्षेत्र में किसी भी प्रकार का विकास कार्य नही किया गया बल्कि सांसद प्रतिनिधि कमल पटेल के कृषि मंत्री रहते हुए जिले में भ्रष्टाचारी, अवैध गितिविधिया और कमिशनखोरी चरम सीमा पर थी। विधायक प्रतिनिधि राहुल पटेल द्वारा कहा गया कि दिनांक 03/11/2026 रात्रि में सांसद प्रतिनिधि कमल पटेल के द्वारा पत्रकारवार्ता आयोजित कर गैर-जिम्मेदाराना बायान देकर मेरी व मेरे परिवार की छवी को धूमिल करने का प्रयास किया गया है। सांसद प्रतिनिधि कमल पटेल का दिमागी संतुलन पूरी तरह से गडब?ा जा चुका है और वह ब?बोलेपन के शिकार हो चुके है। इसके बेहतर उपचार के लिए मैं मिडिया के माध्यम से उनके परिजनों से आग्रह करता हूँ कि कमल पटेल जी का प्राथमिक मानसिक उपचार करावे। सांसद प्रतिनिधि कमल पटेल के द्वारा मुझे हत्यारा कहकर संबोधित किया गया। मैं बताना चाहता हूँ कि मेरे ऊपर लागए गए आरोप माननीय न्यायालय में विचाराधीन है।

खाद्य मिलावट पर सर्व समाज ने खोला मोर्चा, दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग



मंदसौर। खाद्य पदार्थों में मिलावट और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक सामग्री के निर्माण एवं विक्रय पर रोक लगाने की मांग को लेकर मंदसौर सर्व समाज एवं दशपुर जागरूक नागरिक मंच के नेतृत्व में सामाजिक कार्यकर्ताओं और विभिन्न संगठनों ने आवाज उठाई। इस संबंध में मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन कोतवाली पुलिस के अधिकारी को सौंपकर मिलावटखोरों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की गई। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता विनय दुबेला ने कहा कि खाद्य पदार्थों में मिलावट केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि आम नागरिकों के स्वास्थ्य और जीवन के साथ खिलवाड़ है। दूध, घी, तेल, मावा, पनीर, मिठाई, मसाले, दाल, आटा और नमकीन जैसी रोजमर्रा की खाद्य सामग्री में मिलावट की आशंकाएं चिंताजनक हैं। इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। ऐसे कृत्यों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मिलावट के विरुद्ध केवल औपचारिक जांच और जुर्माने की कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। प्रशासन को खाद्य सुरक्षा विभाग, पुलिस एवं प्रशासन की संयुक्त टीम गठित कर नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में दूध डेयरियों, मिठाई दुकानों, मावा-पनीर निर्माताओं, खाद्य तेल विक्रेताओं, गोदामों और खाद्य निर्माण इकाइयों की सघन जांच करनी चाहिए। ज्ञापन में मांग की गई कि संदिग्ध खाद्य सामग्री की 48 घंटे के भीतर प्राथमिक जांच कराई जाए तथा विधिक नमूनों को मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में भेजकर निर्धारित समय में रिपोर्ट प्राप्त की जाए। मिलावट करने वालों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 तथा भारतीय न्याय संहिता की लागू धाराओं में आपराधिक प्रकरण दर्ज कर दोषियों को कारावास एवं अर्थदंड सहित कठोर सजा दिलाई जाए। इसके साथ ही मिलावटी खाद्य सामग्री जब्त कर नियमानुसार नष्ट करने, दोषी प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निरस्त करने, संबंधित इकाइयों को सील करने और मिलावट के पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने की मांग रखी गई। स्कूलों, आंगनवाड़ियों, छात्रावासों, अस्पतालों, धार्मिक आयोजनों एवं सार्वजनिक भोजनालयों में उपयोग होने वाली खाद्य सामग्री की विशेष जांच तथा आम नागरिकों की शिकायतों के लिए हेल्पलाइन जारी करने का आग्रह भी किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता वर्दीचन्द कुमावत एवं बंशीलाल टांक ने कहा कि शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री प्राप्त करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। शासन-प्रशासन की जिम्मेदारी है कि आमजन को मिलावटमुक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जाए। प्रदेश सरकार को विशेष अभियान चलाकर मिलावटखोरों के विरुद्ध ऐसी सख्त कार्रवाई करनी चाहिए, जिससे कोई भी व्यक्ति नागरिकों के स्वास्थ्य और जीवन से खिलवाड़ करने का साहस न कर सके। इस अवसर पर वर्दीचंद कुमावत, मुकेश चनाल, डॉ. रविंद्र पांडे, यशपाल सिंह पवार, विनोद मेहता, विनय दुबेला, कमलेश नागदा, नरेंद्र सिंह चौहान, घनश्याम बटवाल, अजीजुल्लाह खान, बंसीलाल टांक, शंभूसेन राठौड़, बाबूलाल चौधरी, भूपेंद्र सिंह चंद्रावत सहित मंदसौर सर्व समाज, जिला धार्मिक उत्सव समिति एवं दशपुर जागरूक नागरिक मंच के पदाधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पटाखा बाजार में सुरक्षा इंतजामों को लेकर प्रशासन सतर्क, अधिकारियों ने किया निरीक्षण

मंदसौर। दीपावली पर्व के मद्देनजर शहर के कॉलेज मैदान स्थित पटाखा बाजार में सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन सतर्क हो गया है। इसी क्रम में प्रशासनिक अधिकारियों की टीम ने पटाखा बाजार का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम शुभम पाटीदार, सीएसपी जितेन्द्र भास्कर और वाय.डी. नगर थाना प्रभारी शिवांशु मालवीय सहित प्रशासन एवं पुलिस की टीम मौजूद रही। अधिकारियों ने बाजार में दुकानों की व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों का अवलोकन किया। साथ ही पटाखा बाजार में सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखने और किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के सख्त निर्देश दिए। प्रशासनिक टीम ने स्पष्ट किया कि दीपावली के दौरान नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए पटाखा बाजार में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

पशुपतिनाथ लोक के दूसरे चरण के लिए 50 करोड़ की मांग, मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

मंदसौर। विधायक विपिन जैन ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर भगवान श्री पशुपतिनाथ लोक के द्वितीय चरण के निर्माण के लिए 50 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत करने का आग्रह किया है। उन्होंने 17 नवंबर को मंदसौर जिले के गांधीसागर में प्रस्तावित प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में इस प्रस्ताव को शामिल कर मंजूरी देने की मांग की है। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में विधायक जैन ने उल्लेख किया कि मंदसौर स्थित भगवान श्री पशुपतिनाथ मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। मंदिर परिसर को भव्य स्वरूप देने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा पशुपतिनाथ लोक के प्रथम चरण का निर्माण कराया गया, जिसका लोकार्पण जनवरी 2026 में हो चुका है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार भी जताया। पत्र में उन्होंने कहा कि वर्ष 2028 में उज्जैन में सिंहस्थ महापर्व आयोजित होना है। इसे देखते हुए पशुपतिनाथ मंदिर परिसर का विस्तार, श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं में वृद्धि और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए लोक का दूसरा चरण विकसित करना जरूरी है। विधायक जैन ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि गांधीसागर में प्रस्तावित कैबिनेट बैठक में 50 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान कर मंदसौर को विकास की सौगात दें। उन्होंने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री इस मांग पर सकारात्मक निर्णय लेकर पशुपतिनाथ धाम के विस्तार और विकास का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ
छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ



क्लासीफाईड विज्ञापन दरें
150/- रूपये प्रतिदिन 25 शब्दों तक
स्कीम
2 दिन के विज्ञापन पर 2 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
5 दिन के विज्ञापन पर 10 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
10 दिन के प्रकाशन पर 20 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
राष्ट्रीय गरिमा समाचार पत्र में विज्ञापन देकर अपने व्यापार को दें नई उड़ान
सम्पर्क करें : 8602000710, 8602000703
मात्र 1500/- रूपये में पूरे एक माह चलायें

धनतेरस पर मंदसौर पुलिस ने लौटाई 115 लोगों की खुशियां, 23 लाख के मोबाइल सौंपे

मंदसौर। धनतेरस के अवसर पर मंदसौर पुलिस ने 115 लोगों को ऐसा तोहफा दिया, जिससे उनके चेहरों पर खुशी लौट आई। पुलिस ने करीब 23 लाख रुपए कीमत के 115 गुम मोबाइल फोन तलाश कर गुरुवार को उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे। लंबे समय से अपने मोबाइल मिलने की उम्मीद लगाए बैठे लोगों के लिए यह किसी बड़ी राहत से कम नहीं रहा। मंदसौर पुलिस इससे पहले भी अलग-अलग अभियानों में 60 और 87 गुम मोबाइल बरामद कर उनके मालिकों को लौटा चुकी है। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देशन में गुम मोबाइल की पतारसी के लिए विशेष अभियान चलाया गया। इसके लिए तकनीकी सेल की विशेष टीम गठित की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेर सिंह बघेल के मार्गदर्शन तथा नगर पुलिस अधीक्षक जितेंद्र भास्कर के निर्देशन में साइबर सेल प्रभारी उपनिरीक्षक सत्येंद्र सैनी के नेतृत्व में टीम ने तकनीकी डेटा का विश्लेषण कर मोबाइल फोन की तलाश शुरू की। करीब दो माह तक लगातार प्रयास करने के बाद टीम ने 115 मोबाइल फोन बरामद किए। पुलिस कंट्रोल रूम मंदसौर में आयोजित कार्यक्रम में 5 नवंबर को इन सभी मोबाइल फोन को उनके वास्तविक स्वामियों को सौंपा गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेर सिंह बघेल ने बताया कि मोबाइल गुम होने से लोगों को आर्थिक नुकसान के साथ ही उनके निजी डेटा के दुरुपयोग और साइबर अपराध की आशंका भी बनी रहती है। इसी को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक ने टीम को गुम मोबाइल की तलाश कर त्योहार के अवसर पर संबंधित लोगों को राहत देने के निर्देश दिए थे। मोबाइल वापस मिलने पर लोगों ने मंदसौर पुलिस और उसकी टीम के प्रयासों के प्रति आभार जताया। मंदसौर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि कहीं भी अज्ञात या लावारिस मोबाइल फोन मिलने पर उसके वास्तविक स्वामी तक पहुंचाने का प्रयास करें अथवा उसे नजदीकी पुलिस थाने, पुलिस कंट्रोल रूम या साइबर सेल में जमा कराएं। साथ ही साइबर ठगी होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 या वेबसाइट www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं। बैंक खाते, एटीएम पिन, ओटीपी और अन्य गोपनीय वित्तीय जानकारी किसी अनजान व्यक्ति से साझा न करें। ठगी होने पर बैंक लेन-देन की जानकारी, संदेश और स्क्रीनशॉट जैसे डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित रखते हुए तत्काल पुलिस और संबंधित बैंक को सूचना दें। मोबाइल बरामदगी की इस कार्रवाई में साइबर सेल प्रभारी उपनिरीक्षक सत्येंद्र सैनी, आरक्षक अनिल शर्मा (थाना सीतामऊ), आरक्षक धर्मेश बैरागी (थाना शामगढ़) और आरक्षक कन्हैयालाल (थाना मल्हारगढ़) की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी उपेन्द्र तिवारी द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कम्प्लेक्स जोन 1 एमपी नगर भोपाल से मुद्रित एवं बी-14 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक : अभिमन्यु तिवारी,सहायक सम्पादक : शैलेन्द्र तिवारी।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा। (समाचार प्रकाशन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार*) आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक 61858/95, मो. 8602000710 , 8602000701

दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
शुभ प्रभात
www.rashtriyagarima.com
भोपाल, शुक्रवार 06 नवम्बर 2026

जमीन विवाद को लेकर दो गुटों में गोलीबारी

कानपुर। कानपुर के बिधनू थाना क्षेत्र के देहली उजागर गांव में भूमि विवाद को लेकर बुधवार को दो गुटों के बीच हुई झड़प में गोलीबारी में चार लोग घायल हो गए। पुलिस ने इस मामले में पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है और वारदात में इस्तेमाल लाइसेंसी बंदूक भी जब्त कर ली है। अपर पुलिस आयुक्त ने गुरुवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अजय पाल सिंह उर्फ मुन्ना (60) और उनके बेटे शशिकांत उर्फ गोपू (36) के रूप में हुई है।

मंदिर में मांस चढ़ाने वाला शिक्षक गिरफ्तार

अलीगढ़। अलीगढ़ के सिद्धपीठ खेरेश्वर महादेव मंदिर में शिव प्रतिमा पर मांस चढ़ाने वाले शिक्षक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शिक्षक ने 31 अक्टूबर की शाम को मंदिर में शिव प्रतिमा पर मांस के टुकड़े चढ़ाए और कोल्ड ड्रिंक की बोतल में लाया गया पेय पदार्थ चढ़ाया था। सफाई के दौरान मांस के टुकड़े मिलने पर प्रबंधन ने सीसीटीवी फुटेज खंगाली। इसमें एक व्यक्ति यही हरकत करता दिखाई दिया।

झूठ की खेती कर रहे राहुल गांधी : नितिन नबीन

गोरखपुर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे कितनी भी झूठ की खेती कर लें और जनता को भ्रमित करने का प्रयास करें, लेकिन यह नया भारत है और नई सोच का भारत है। उन्होंने कहा कि देश के 140 करोड़ लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना प्रधान सेवक मानते हैं। उन्होंने विपक्ष के चुनाव हारने के लिए एसआईआर (एसआईआर) को जिम्मेदार ठहराने वाले आरोपों पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि विपक्ष को समझना चाहिए कि यदि उसने जमीन पर जाकर काम किया होता तो आज उसे यह दिन नहीं देखना पड़ता। भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन दो दिवसीय दौरे पर बुधवार को गोरखपुर पहुंचे।



आज उनके नेतृत्व में भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा निकाली। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी भी शामिल हुए। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ पदयात्रा' की अगुवाई करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को बार-बार लॉन्च करने से साफ है कि रॉकेट ही नहीं, कांग्रेस का लॉन्चिंग पैड भी खराब है। एसआईआर को लेकर विपक्ष पर तंज कसते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन को उन तीन करोड़ घुसपैठियों की चिंता अधिक है, जिन्हें एसआईआर में बाहर किया गया है। उन्हें देश की 140 करोड़ जनता पर भरोसा नहीं है। भाजपा ने अपने काम के दम पर जनता का विश्वास जीता है और इसी भरोसे के आधार पर 2027 का चुनाव भी जीतेगी। उन्होंने दावा किया कि 2027 के चुनाव में समाजवादी पार्टी पूरी तरह साफ हो जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा के दोनों कथित युवराज अपनी हार की कमियों से सीखने के बजाय ईवीएम पर ठीकरा फोड़ते हैं। उन्होंने इसे उनकी नाकामी का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने ईवीएम को लेकर खुली चुनौती दी थी, लेकिन विपक्षी नेता मैदान छोड़कर भाग गए थे। वहीं, अपने सम्बोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और उसके गठबंधन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसका गठबंधन लोकतंत्र के लिए खतरा हैं। चुनाव जीतने पर सब ठीक रहता है, लेकिन हारने पर ईवीएम को दोष दिया जाता है। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में भी एसआईआर की प्रक्रिया होती थी, लेकिन आज विपक्ष के लोग इस मुद्दे पर अराजकता फैलाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की यह यात्रा भारत को उसके लक्ष्य तक पहुंचाने का संकल्प है। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर पदयात्रा में शामिल होने की जानकारी दी। उन्होंने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए लिखा कि चुनावों में हार के नए रिकॉर्ड बना रही कांग्रेस और इंडी गठबंधन की हताशा अब अराजकता की राजनीति में बदल गई है। उन्होंने कहा कि इनके नेतृत्वकर्ताओं में क्लैरिटी, कैपेसिटी और क्रेडिबिलिटी का पूरा अभाव है।

बुंदेलखंड की दिवारी नृत्य परंपरा में झलकती है वीरता और लोक संस्कृति की अनूठी छटा

महोबा।उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड में दीपावली का पर्व केवल दीपों की रोशनी और खुशियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां की समृद्ध लोक संस्कृति और वीरता की परंपराओं का भी प्रतीक है। दीपावली के अवसर पर बुंदेलखंड में प्रसिद्ध दिवारी नृत्य का आयोजन किया जाता है। यह लोक नृत्य अपनी अनूठी शैली, लाठी के रोमांचक करतब और युद्ध कौशल के प्रदर्शन के लिए विशेष पहचान रखता है। दिवारी नृत्य बुंदेलखंड की सांस्कृतिक विरासत का अहम हिस्सा है, जो पीढ़ियों से चली आ रही परंपरा को जीवंत बनाए हुए है। लोक मान्यताओं के अनुसार दिवारी नृत्य की शुरुआत द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण के समय से मानी जाती है। मान्यता है कि जब भगवान कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली पर उठाकर ब्रजवासियों को इंद्रदेव के प्रकोप से बचाया था, तब ब्रज के ग्वालों ने प्रसन्न होकर हाथों में लाठियां लेकर उत्सव मनाया था। इसी उत्सव से दिवारी नृत्य की परंपरा प्रारंभ हुई, जो अहीर और ग्वाला समाज में प्रचलित होकर आज तक चली आ रही है।बुंदेलखंड



में इस लोक नृत्य को चंदेल राजाओं के शासनकाल से भी जोड़कर देखा जाता है। यहां दिवारी नृत्य में वीरता, शौर्य और युद्ध कौशल की झलक देखने को मिलती है। बुंदेलखंड मे दिवारी नृत्य का आयोजन वैसे तो पूरे कार्तिक मास मे होता है लेकिन दीपावली से लेकर भाई दूज तक यह विशेष रूप से जगह - जगह आयोजित किया जाता है। इस दौरान युवाओं की टोलियां पारंपरिक वेशभूषा में गांवों और कस्बों में घर-घर पहुंचकर अपने अद्भुत करतबों का प्रदर्शन करती हैं। ढोल और नगाड़ों की गूंज के बीच दिवारी नृत्य का उत्साह देखते ही बनता है। जगनिक शोध संस्थान के सचिब डा वीरेंद्र निर्झर कहते है की बुंदेलखंड का दीवारी नृत्य केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में भाईचारे, एकता, सुरक्षा और साहस का संदेश भी देता है। अहीर और यादव समाज के लोग भगवान श्रीकृष्ण को अपना आराध्य तथा सखा मानते हुए इस परंपरा को विशेष श्रद्धा और उत्साह के साथ निभाते हैं।दिवारी नृत्य की सबसे बड़ी खासियत इसकी युद्ध कला शैली है। नर्तक अपने हाथों में लगभग पांच से छह फीट लंबी मजबूत लाठियां लेकर तेज गति से प्रहार और बचाव के करतब दिखाते हैं। ढोल-नगाड़ों की थाप पर लाठियों के ताबड़तोड़ वार, पलटवार और फुर्तीले बचाव का अद्भुत तालमेल दर्शकों को रोमांचित कर देता है।इस नृत्य में भाग लेने वाले कलाकारों को लंबे समय तक अभ्यास करना पड़ता है। लाठी संचालन, शारीरिक संतुलन, गति और आपसी तालमेल के जरिए कलाकार अपनी दक्षता का प्रदर्शन करते हैं। अभ्यास के दौरान सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाता है, ताकि करतब दिखाते समय किसी को चोट न पहुंचे। सामाजिक कार्यकत्री सरस्वती वर्मा कहती है की बुंदेलखंड की दिवारी नृत्य परंपरा क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान, वीरता और सामूहिक उत्सव का प्रतीक है। आधुनिकता के दौर में भी यह लोक नृत्य अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए है। दीपावली के अवसर पर दिवारी की गूंज बुंदेलखंड के गांवों और कस्बों में उत्सव का माहौल पैदा कर देती है।

नवीन, योगी और तावड़े की मौजूदगी में प्रत्याशियों के सर्वे पर मंथन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर भाजपा की कोर कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक बुधवार देर रात एनेक्सी भवन में संपन्न हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और संगठन के शीर्ष पदाधिकारियों की मौजूदगी रही। विधानसभा चुनाव के ऐन पहले हुई इस बैठक में प्रत्याशिता को लेकर पार्टी के अंदरूनी सर्वे से लेकर जातिगत समीकरणों तक पर गहन चर्चा की गई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, यूपी विधानसभा चुनाव प्रभारी विनोद तावड़े, प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह, दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक सहित अन्य महत्वपूर्ण पदाधिकारी शामिल हुए। कोर कमेटी की बैठक में वैसे तो पूरे प्रदेश की चुनावी रणनीति पर विस्तृत चर्चा हुई, लेकिन केन्द्र में गोरखपुर क्षेत्र और पूर्वांचल ही रहा। पिछले दिनों हुए एमएलसी चुनाव परिणामों का विश्लेषण करते हुए 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए रणनीतिक खाका तैयार करने पर जोर दिया गया। बैठक में विपक्ष के वोट चोरी को लेकर जारी आंदोलन और सपा-कांग्रेस गठबंधन के जातिगत समीकरणों के काट पर भी चर्चा हुई। इसके साथ ही, डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों और विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने की रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने करीब डेढ़ घंटे चली इस बैठक में पुराने अनुभवों से सीख लेते हुए विधानसभा चुनाव में पूरी



ऊर्जा से जुटने का आह्वान किया। उन्होंने विधानसभा चुनाव की तैयारियों का क्षेत्रवार जायजा लिया और जनप्रतिनिधियों को चुनावी रणनीति को लेकर जिम्मेदारियां सौंपी। प्रदेश में सत्ता की हैट्रिक का मंत्र देते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि क्षेत्र में जो भी पुराने कार्यकर्ता नाराज हैं, उनसे मुलाकात कर उनकी नाराजगी दूर की जाए। विधानसभा के सामाजिक समीकरणों का ध्यान रखते हुए रणनीति तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की मौजूदगी में हुई इस बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जनप्रतिनिधियों से 2022 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनावों में मिले वोटों का फीडबैक लिया। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्रवार मिले मतों के अंतर को पाटने पर जनप्रतिनिधि फोकस करें। पिछले दोनों चुनावों के परिणामों का आकलन कर जहां मतों का अंतर अधिक है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण नें 250 रुपये के स्मारक सिक्के का किया लोकार्पण

वाराणसी। भारतीय शास्त्रीय संगीत, विशेषकर कर्नाटक संगीत की महान परंपरा को समृद्ध करने वाले महान संगीतज्ञ एवं वाग्गेयकार तथा कर्नाटक संगीत की त्रिमूर्ति में से एक मुत्तुस्वामी दीक्षितर की 250वीं जयंती के उपलक्ष्य में मंगलवार को आईआईटी बीएचयू में 250 रुपये के स्मारक सिक्के का लोकार्पण किया लोकार्पण । बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में आयोजित समारोह में केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने सिक्के के लोकार्पण के साथ मुत्तुस्वामी दीक्षितर के जीवन, दर्शन और संगीत साधना पर आधारित पुस्तक 'अमर गुरुगुहम् पोट्रुवाम्' का भी विमोचन किया। आईआईटी बीएचयू के भारतीय ज्ञान परंपरा उत्कृष्टता केंद्र के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में निर्मला सीतारमण ने विशेष रूप से उपस्थित स्कूली बच्चों की सराहना की। उन्होंने बच्चों को कर्नाटक संगीत की समृद्ध परंपरा और मुत्तुस्वामी दीक्षितर के अतुलनीय योगदान



से अभिमुख कराया। उन्होंने दीक्षितर की वीणा की विशिष्टताओं तथा काशी से उनके गहरे जुड़ाव और यहां उनके निवास के बारे में भी जानकारी दी। वित्त मंत्री ने भारतीय संगीत और सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए आईआईटी बीएचयू की सराहना करते हुए महान संगीतज्ञ के सम्मान में भारत सरकार की ओर से स्मारक सिक्के के लोकार्पण पर प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने अतिथियों का स्वागत किया और इस ऐतिहासिक अवसर के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. अमित पात्रा ने मुत्तुस्वामी दीक्षितर के संगीत योगदान और भारतीय शास्त्रीय संगीत की परंपरा में उनके विशिष्ट स्थान पर प्रकाश डाला। समारोह में कर्नाटक संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियां भी हुईं। प्रख्यात गायिका डॉ. सुमित्रा वासुदेव ने अपनी सुमधुर गायन प्रस्तुति से महान संगीतज्ञ को स्वरांजलि अर्पित की। इसके बाद रमणा बालचंद्रन् ने वीणा वादन की प्रस्तुति दी। उनके साथ गणपतिरामन् ने मृदंगम और एल. रामकृष्णन् ने वायलिन पर संगत की। इन प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को कर्नाटक संगीत की समृद्ध विरासत से अभिमुख कराया।

सपा का दलित दांव: महापंचायतों से दलित समाज में पैठ मजबूत करने का फार्मूला



लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी (सपा) दलित वोट बैंक को अपने पाले में लाने के लिए एक बड़ा अभियान छे? रही है। इस कवायद के तहत, सपा अब दलित महापंचायतों के जरिए दलित मतदाताओं के बीच अपनी पैठ मजबूत करेगी। इस अभियान का आगाज 15 नवंबर को आगरा से होगा, जहां सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव एक विशाल महापंचायत को संबोधित करेंगे। इसे अगले विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी का पहला बड़ा चुनावी शक्ति प्रदर्शन माना जा रहा है। अखिलेश यादव आगामी चुनाव में सभी जातियों को पार्टी से जोड़ने के लिए लगातार बैठकें और जिलों का दौरा कर रहे हैं। आगरा को इस महापंचायत के लिए चुनने का विशेष कारण है, क्योंकि आगरा और इसके आसपास के जिलों में 50 लाख से अधिक दलित मतदाता हैं, जो चुनाव परिणामों पर सीधा असर डालने की क्षमता रखते हैं। सपा ने इस महत्वपूर्ण अभियान की कमान राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ दलित नेता रामजी लाल सुमन को सौंपी है। महापंचायत में संविधान और आरक्षण बचाने जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा, जैसा कि लोकसभा चुनाव 2024 में भी सपा और कांग्रेस ने इन्हीं मुद्दों को प्रमुखता से उठाया था और पार्टी को इसका राजनीतिक फायदा भी मिला था। अब विधानसभा चुनाव से पहले सपा इसी रणनीति के जरिए दलित मतदाताओं को फिर से जोड़ने की कोशिश में है। आगरा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दलित राजनीति का एक महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। यहां जाटव समुदाय की बड़ी आबादी है और यह क्षेत्र लंबे समय तक बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का एक मजबूत गढ़ माना जाता रहा है। अकेले आगरा में ही 9 लाख से अधिक दलित वोट हैं, जबकि अलीगढ़, हाथरस और फिरोजाबाद जैसे पड़ोसी जिलों में भी दलित मतदाताओं की संख्या निर्णायक भूमिका निभाती है। सपा की यह रणनीति सिर्फ दलित वोट बैंक में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सामाजिक समीकरण को भी चुनौती देना चाहती है। इसके लिए दलित संतों के सम्मान, पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को खास तवज्जो दी जा रही है। पिछले कुछ वर्षों से सपा ने दलित नेताओं को संगठन और चुनावी राजनीति में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी हैं। इसके अलावा, बसपा के कई बड़े नेताओं को भी पार्टी में शामिल कराया गया है। लोकसभा चुनाव 2024 में सुरक्षित सीटों के साथ-साथ सामान्य सीटों पर भी दलित प्रत्याशियों को उतारकर एक नया प्रयोग किया गया था।

एआई से छात्रा की अश्लील तस्वीर बनाने वाले बस चालक को 25 साल की सजा

बलिया। उत्तरप्रदेश के बलिया की स्थानीय अदालत ने आठवीं कक्षा की छात्रा की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल कर अश्लील तस्वीर बनाने और सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने स्कूल बस के चालक संजीत कुमार को दोषी करार देकर 25 साल के कारावास और 55 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, यह घटना करीब डेढ़ साल पुरानी है। भीमपुरा थाने में पीड़ित छात्रा के पिता ने पिछले साल 7 मई को शिकायत दर्ज कराई थी। आरोपी संजीत कुमार स्कूल में अनुबंध पर वाहन चलाता था। उसने स्कूल आने-जाने के दौरान छात्रा की तस्वीरों का गलत इस्तेमाल कर एआई की मदद से अश्लील तस्वीरें तैयार कीं और उन्हें व्हाट्सऐप पर भेज दिया। इतना ही नहीं, विरोध करने पर आरोपी ने पीड़िता को जान से मारने की धमकी भी दी थी, और उसके कुछ दोस्तों ने भी इन तस्वीरों को आगे प्रसारित किया था। मामले की गंभीरता को देखकर पुलिस ने तेजी से जांच पूरी कर अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था।



राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शुक्रवार 06 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

सम्पादकीय

असल सूरत की गलत व्याख्या

सरकार और रेज़ीम एक ही चीज नहीं हैं। सरकार लोगों का एक समूह है, जिसके पास सत्ता होती है। जबकि रेज़ीम नियमों की वो व्यवस्था है, जिसके तहत सत्ता पाई जाती है और उसका संचालन होता है। वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त विरोधी वर्तमान आंदोलन 'रेज़ीम चेंज' (शासन-तंत्र में परिवर्तन) के लिए है और इसमें कोई बुराई नहीं है। चूंकि उसके कुछ ही रोज पहले भूषण नेता विपक्ष राहुल गांधी के निवास पर एक बैठक में शामिल हुए थे, इसलिए भाजपा को इस बयान में कांग्रेस को घेरने का मौका नजर आया। यहां तक कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तक ने इस वक्तव्य को देश में अराजकता फैला कर सत्ता प्राप्त करने की कांग्रेस की कोशिश का प्रमाण बताया। कांग्रेस ने इसका जवाब यह कह कर दिया कि लोकतंत्र में विपक्ष का काम ही सरकार को बेनकाब करना, विरोध करना और उसे पद से हटाने की कोशिश करना है। मगर राजनीति-शास्त्र के नजरिए से देखें, तो सरकार और शासन-तंत्र एक ही चीज नहीं हैं। इसके मुताबिक सरकार लोगों का एक खास समूह है, जिसके हाथ में सत्ता होती है। जबकि रेज़ीम (शासन-तंत्र) नियमों की वह व्यवस्था है, जिनके जरिए सत्ता हासिल की जाती है और उसका संचालन किया जाता है। इस अर्थ में देखें तो नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा का 2014 में सत्ता में आना रेज़ीम चेंज साबित हुआ है। मोदी तब स्थापित या प्रचलित कायदों के जरिए सत्ता में जरूर आए, लेकिन उनकी सरकार ने सत्ता संचालन की रवायत, संदर्भ बिंदु और अनेक कायदों को बदल डाला है। एक समझ है यह कि ऐसा कर चुकने के बाद वह सत्ता प्राप्त करने के कायदों को बदलने में जुटी हुई है। धारणा बनी है कि निर्वाचन आयोग इसी मकसद को लागू करने की एजेंसी बन गया है। फिलहाल छिड़ा सियासी आंदोलन इसी शिकायत से उपजा है। अत: ताजा बहस में मुद्दा है कि क्या मोदी विरोधी इस आंदोलन के जरिए पुरानी रवायतों को वापस लाने की बात कर रहे हैं या कोई नई व्यवस्था थोपना चाहते हैं? अगर नई व्यवस्था की बात नहीं है (जैसाकि प्रथम दृष्टि में दिखता है), तो वे असल में रेज़ीम चेंज के बजाय रेज़ीम बहाली की बात कर रहे हैं। इसे अराजकता या संवैधानिक दायरे से बाहर बताना संभवत: असल सूरत की गलत व्याख्या है।

राशिफल



मेष राशि: काम में जल्दबाजी करने से बचें मेष राशि वालों आज किसी भी काम को पूरा करने में जल्दबाजी ना करें, नहीं तो उस काम में कुछ कमियां रह जाएंगी। स्टूडेंट्स का मन पढ़ाई में कम और मोबाइल पर ज्यादा रहेगा। आज आप अपने फिजूल खर्चो पर काबू बनाए रखें। आज कार्यक्षेत्र में वृद्धि के लिए आपके मन में कुछ नए आइडिया आएंगे।

वृषभ राशि: निवेश से मिल सकता है फायदा वृष राशि वालों आज का दिन नई सौगात लेकर आया है। पहले से ही किए हुए निवेश का आज आपको फायदा मिलेगा। आज आप किसी खास मित्र की मदद करेंगे। आज आपके कारोबार में बड़ा बदलाव आएगा। लंबे समय से चल रही स्वास्थ्य संबंधी समस्या से छुटकारा मिलेगा।

मिथुन राशि: खुशियों से भरा रहेगा दिन मिथुन राशि वालों आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आप अपने भविष्य को आगे बढ़ाने की योजनाओं पर ध्यान देंगे। आज के दिन करीबी रिश्तेदार आपकी खुशियों को दोगुना कर देगा। आज घर के बड़ों का सहयोग आपके साथ रहेगा। आज कार्यक्षेत्र में बढ़ोतरी के नए अवसर प्राप्त होंगे।

कर्क राशि: आर्थिक स्थिति होगी मजबूत कर्क राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आपको अपनी बचत में से कुछ पैसा निकालने की जरूरत पड़ सकती है। आज आप अपने बच्चों को कुछ अच्छा सिखा सकते हैं, जो उनके भविष्य में उन्हें काम आएगा। आज जीवनसाथी के साथ आपके रिश्ते अच्छे बनेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

सिंह राशि: किस्मत का मिलेगा साथ सिंह राशि वालों आज किस्मत आपके साथ रहेगी। आज आप जिस काम को पूरा करने की कोशिश करेंगे, वो आसानी से पूरा हो जाएगा। किसी दोस्त से मुलाकात आपको फायदा दिला सकती है। आज परिवार के लोगों के बीच मधुरता बढ़ेगी।

कन्या राशि: कारोबार में होगा फायदा कन्या राशि वालों आज कामकाज के बारे में गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। दूसरों की सलाह पर ध्यान देंगे, तो वह आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। छात्रों को आज शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी सफलता प्राप्त होगी। आज आपको ऑफिस के किसी काम से यात्रा करना पड़ेगा।

तुला राशि: तरक्की के नए अवसर मिलेंगे तुला राशि वालों आज आपके जीवन में कई नए बदलाव आएंगे, जो आपके भविष्य के लिए फायदेमंद साबित होंगे। सोशल मीडिया पर नए लोगों से आपकी दोस्ती होगी। आज समाज में आपकी अलग पहचान बनेगी, तरक्की के नए अवसर आपके सामने आएंगे।

वृश्चिक राशि: करियर से जुड़ी मिलेगी शुभ सूचना वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। छात्रों को आज कहीं से करियर संबंधी शुभ सूचना मिलेगी, जिससे घर का वातावरण खुशनुमा बनेगा। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे, जिससे आपके रिश्तों में मजबूती आएगी।

धनु राशि: नौकरी की तलाश होगी पूरी धनु राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। घर के रुके हुए सभी काम आज आसानी से पूरे होंगे। किसी बात को लेकर आपके मन में उत्सुकता बनी रहेगी। आपकी बातों को लोग गंभीरता से सुनेंगे और उस पर अमल भी करेंगे। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को किसी अच्छी कंपनी से जॉब का ऑफर आएगा।

मकर राशि: ऑनलाइन कारोबार में मिलेगा बड़ा ऑर्डर मकर राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज कार्यों को पूरा होने में कुछ अधिक समय लगेगा। इस राशि के जो लोग ऑनलाइन व्यापार करते हैं, आज उन्हें बड़ा ऑर्डर मिलेगा। आज कार्यों को पूरा करने में परिवार वालों का सहयोग प्राप्त होगा।

कुंभ राशि: गुस्से पर रखें नियंत्रण कुंभ राशि वालों आज आपका दिन ठीक ठाक रहेगा। आज आपको अपने गुस्से पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। आज कुछ पुराने दोस्तों से फोन पर लंबी बात होगी, जिनके साथ आप अपनी पुरानी यादें भी ताजा करेंगे। आज आप अपनी दिनचर्या में बदलाव करेंगे।

मीन राशि: रोजगार के नए अवसर मिलेंगे मीन राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहेगा। छात्रों को आज कुछ नया सीखने का मौका मिलेगा, जिसमें गुरुओं का सहयोग प्राप्त होगा। आज घर पर थोड़े व्यावहारिक रहने की कोशिश करेंगे, जिससे लोगों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इस राशि के जो लोग वकील हैं, उनको नया केस मिलेगा।

प्रदूषण पर राजनीति का धुआं और जनता की घुटती सांसें

ललित



> विडंबना यह है कि आज प्रदूषण जैसी जीवन-मरण की समस्या पर भी राजनीति का धुआं छाने लगा है। जब लोगों की सांसें संकट में हों, तब धर्म, जाति और राजनीतिक विचारधाराओं के चश्मे से समस्या को देखना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता का प्रमाण भी है। अभिनेत्री और पर्यावरण कार्यकर्ता दीया मिर्जा ने पटाखों से होने वाले वायु एवं ध्वनि प्रदूषण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने अपने पर्यावरण अनुकूल दीपावली अभियान में उनका वीडियो जारी किया, लेकिन राजनीतिक विवाद के बाद उसे हटा दिया गया। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि प्रदूषण के खिलाफ आवाज उठाना आखिर विवाद का विषय कैसे बन गया? किसी कलाकार का पर्यावरण संरक्षण के पक्ष में बोलना किसी धर्म या त्योहार का विरोध कैसे हो सकता है? मुंबई उच्च न्यायालय द्वारा वीडियो दोबारा जारी करने का निर्देश इस बात का संदेश है कि जनहित की आवाज को राजनीतिक दबाव के आगे दबाया नहीं जाना चाहिए।

त्योहार खुशियां बांटने के लिए होते हैं, सांसों में जहर घोलने के लिए नहीं। दीपावली प्रकाश, प्रसन्नता, उल्लास और मंगलकामना का पर्व है, लेकिन यदि उत्सव की चमक के पीछे आसमान धुएं से भर जाए, बच्चों और बुजुर्गों का दम घुटने लगे तथा आम आदमी स्वच्छ हवा के लिए तरसने लगे तो हमें अपनी उत्सव परंपराओं और सामाजिक जिम्मेदारियों पर गंभीरता से विचार करना होगा। विडंबना यह है कि आज प्रदूषण जैसी जीवन-मरण की समस्या पर भी राजनीति का धुआं छाने लगा है। जब लोगों की सांसें संकट में हों, तब धर्म, जाति और राजनीतिक विचारधाराओं के चश्मे से समस्या को देखना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता का प्रमाण भी है। अभिनेत्री और पर्यावरण कार्यकर्ता दीया मिर्जा ने पटाखों से होने वाले वायु एवं ध्वनि प्रदूषण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने अपने पर्यावरण अनुकूल दीपावली अभियान में उनका वीडियो जारी किया, लेकिन राजनीतिक विवाद के बाद उसे हटा दिया गया। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि प्रदूषण के खिलाफ आवाज उठाना आखिर विवाद का विषय कैसे बन गया? किसी कलाकार का पर्यावरण संरक्षण के पक्ष में बोलना किसी धर्म या त्योहार का विरोध कैसे हो सकता है? मुंबई उच्च न्यायालय द्वारा वीडियो दोबारा जारी करने का निर्देश इस बात का संदेश है कि जनहित की आवाज को राजनीतिक दबाव के आगे दबाया नहीं जाना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण किसी व्यक्ति, दल या धर्म की जागीर नहीं, बल्कि समूचे समाज की साझा जिम्मेदारी है। मुंबई का उदाहरण इस समस्या की गंभीरता को और उजागर करता है। सामान्यत: समुद्र की हवाओं और भौगोलिक स्थिति के कारण मुंबई को दिल्ली की तुलना में अपेक्षाकृत बेहतर वायु संचार का लाभ मिलता है, लेकिन अब वहां भी प्रदूषण का संकट गहराने लगा है। बीएमसी की पर्यावरण स्थिति रिपोर्ट 2025-26 के अनुसार, मुंबई के 14 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों में से 13 पर पीएम-10 का वार्षिक औसत स्तर राष्ट्रीय निर्धारित सीमा 60 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर से अधिक पाया गया। चेंबूर और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में यह स्तर 125 माइक्रोग्राम तक पहुंच गया। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि महानगरीय विकास की उस दिशा पर प्रश्नचिह्न है जिसमें इमारतें तो ऊंची होती जा रही हैं, लेकिन लोगों के हिस्से की स्वच्छ हवा छोटी होती जा रही है। यह समझना आवश्यक है कि मुंबई हो या दिल्ली, प्रदूषण का पूरा दोष केवल दीपावली के पटाखों पर डालकर हम अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, सड़कों पर जमा मिट्टी, वाहनों का धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, कचरा जलाना और कमजोर शहरी नियोजन इसके बड़े कारण हैं। पटाखे प्रदूषण की समस्या को त्योहारों के दौरान और गंभीर बनाते हैं, लेकिन प्रदूषण का स्रोत वर्षभर सक्रिय रहता है। इसलिए केवल दीपावली के आसपास प्रतिबंध लगाना और फिर शेष वर्ष आंखें मूंद लेना समस्या का समाधान नहीं, बल्कि मौसमी सक्रियता का प्रदर्शन है। मुंबई में 13 निगरानी केंद्रों का राष्ट्रीय मानक से ऊपर होना बताता है कि समुद्री हवाओं के भरोसे पर्यावरण की रक्षा नहीं की जा सकती। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की स्थिति तो और भी चिंताजनक है। सर्दियों की शुरुआत होते ही तापमान में गिरावट, हवा की धीमी गति और वातावरण में प्रदूषकों के ठहराव से वायु गुणवत्ता तेजी से बिगड़ती है। दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा, गुरुग्राम और फरीदाबाद के नागरिक हर वर्ष इस जहरीले वातावरण का सामना करते हैं। सुबह की सैर स्वास्थ्य का माध्यम बनने के बजाय जोखिम बन जाती है। बच्चों को खांसी, बुजुर्गों को सांस लेने में परेशानी और पहले से बीमार लोगों को अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। जिस हवा में जीवन का संगीत होना चाहिए, उसमें जब प्रदूषण का जहर घुल जाए तो विकास के तमाम दावे बेमानी लगने लगते हैं। इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय की सक्रियता महत्वपूर्ण है। न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर में दीपावली के अवसर पर केवल प्रमाणित हरित पटाखों की सीमित बिक्री और निर्धारित समय में उनके उपयोग की अस्थायी अनुमति दी है। 7 और 8 नवंबर के लिए निर्धारित समय सुबह 6 से 7 बजे तथा रात 8 से 10 बजे है। इसके बाद 9 नवंबर से पूर्ण प्रतिबंध फिर प्रभावी होना है। न्यायालय ने नियमों के उल्लंघन और पारंपरिक पटाखों को हरित पटाखों के नाम पर बेचने से रोकने के लिए सख्त निगरानी पर भी जोर दिया है। लेकिन प्रश्न यह है कि आदेश कागज पर सख्त और सड़कों पर बेअसर क्यों रह जाते हैंड हरित पटाखों की आड़ में पारंपरिक पटाखों की बिक्री, निर्धारित समय के बाद आतिशबाजी और प्रतिबंधित सामग्री का खुलेआम कारोबार प्रशासनिक व्यवस्था की पोल खोलता है। कानून बनाना पर्याप्त नहीं, उसका निष्पक्ष और कठोर क्रियान्वयन भी जरूरी है। यदि नियम तोड़ने वालों को राजनीतिक संरक्षण या प्रशासनिक उदासीनता का लाभ मिलता रहा तो न्यायालयों के निर्देश भी धुएं में उड़ते रहेंगे। दीपावली के उत्सव को सीमित पटाखों, सामूहिक आतिशबाजी और पर्यावरण अनुकूल विकल्पों के साथ भी पूरे उल्लास से मनाया जा सकता है। उत्सव की सार्थकता शोर की तीव्रता में नहीं, बल्कि मन की प्रसन्नता और सामाजिक सद्भाव में है। यह किसी की धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन और स्वास्थ्य के अधिकार का सम्मान है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जब दीया मिर्जा जैसी अभिनेत्री पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती हैं तो उनके संदेश को राजनीतिक विवाद में उलझा दिया जाता है। मुंबई उच्च न्यायालय ने 3 नवंबर को बीएमसी को उनका हटाया गया वीडियो दोबारा अपलोड करने का निर्देश दिया और स्पष्ट किया कि पर्यावरण के मुद्दे को राजनीतिक या सांप्रदायिक रंग देना अनुचित है। न्यायालय की यह टिप्पणी हमारे लोकतांत्रिक विवेक को झकझोरने वाली है। आज आवश्यकता है कि सरकारें, न्यायपालिका, नगर निकाय, राजनीतिक दल, उद्योग जगत, सामाजिक संगठन और आम नागरिक एक साझा संकल्प के साथ आगे आएं। निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण हो, वाहनों के उत्सर्जन पर कठोर निगरानी हो, सार्वजनिक परिवहन मजबूत बने, कचरा जलाने पर रोक लगे और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की जवाबदेही तय हो। साथ ही नागरिक भी पटाखों के अनावश्यक उपयोग, कचरा जलाने और निजी वाहनों के अंधाधुंध इस्तेमाल से बचें।

आधुनिक तकनीक से जीवंत हुईं जनजातीय अमर बलिदानियों की शौर्यगाथाएं

डॉ.ओम डहरिया



छत्तीसगढ़ की पावन धरा सदियों से त्याग, तपस्या, संघर्ष और स्वाभिमान की साक्षी रही है। यहां के घने जंगलों, पर्वतों और वनांचलों में स्वतंत्रता की ऐसी अनगिनत गाथाएं जन्मीं, जिन्होंने अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिलाकर रख दी थी। इतिहास के पन्नों में अपेक्षित स्थान नहीं पा सके इन जनजातीय नायकों के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को अब एक नई पहचान मिली है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के दूरदर्शी नेतृत्व और जनजातीय कल्याण मंत्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में नवा रायपुर अटल नगर में निर्मित 'शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय' देश में जनजातीय शौर्य, स्वाभिमान और आधुनिक डिजिटल तकनीक के अनूठे संगम के रूप में उभरा है। यह भव्य संग्रहालय केवल ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण केंद्र नहीं, बल्कि उन अमर बलिदानियों के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता का जीवंत प्रतीक है, जिन्होंने मातृभूमि की स्वतंत्रता और जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती के ऐतिहासिक अवसर पर 1 नवंबर 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस भव्य संग्रहालय को राष्ट्र को समर्पित किया था। यह अवसर केवल एक संग्रहालय के लोकार्पण का नहीं, बल्कि जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के संकल्प की सार्थक अभिव्यक्ति का था। लगभग 50 से 55 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित यह अत्याधुनिक संग्रहालय जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास को डिजिटल तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत करने वाली देश की विशिष्ट परियोजनाओं में शामिल है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने जनजातीय समाज की सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और ऐतिहासिक योगदान को संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। यह संग्रहालय उसी सोच का साकार स्वरूप है, जिसमें विकास के साथ अपनी जड़ों, संस्कृति और पुरखों के बलिदान को सहेजने का संकल्प निहित है। विशेष रूप से जनजातीय पृष्ठभूमि से आने वाले मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में इस ऐतिहासिक धरोहर का निर्माण प्रदेश के जनजातीय समाज के गौरव और आत्मसम्मान को नई ऊंचाई प्रदान करता है। भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 में सोनाखान के अमर शहीद वीर नारायण सिंह ने जिस साहस और स्वाभिमान का परिचय दिया, वह आज भी छत्तीसगढ़ की सामूहिक चेतना में जीवित है। अंग्रेजी शासन के अन्याय और शोषण के विरुद्ध उनका संघर्ष केवल विद्रोह नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों, सामाजिक न्याय और मातृभूमि के प्रति समर्पण का अनुपम उदाहरण था। इस संग्रहालय में वीर नारायण सिंह सहित उन असंख्य जनजातीय योद्धाओं की गाथाओं को जीवंत किया गया है, जिनका संघर्ष स्वतंत्रता आंदोलन की मजबूत आधारशिला बना। जनजातीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर में स्थापित इस संग्रहालय की भव्य दीर्घाएं इतिहास के उन अध्यायों से परिचित कराती हैं, जिन्हें जानना प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव का विषय है। यहां लगभग 650 से अधिक जीवंत मूर्तिशिल्पों के माध्यम से जनजातीय संघर्षों का प्रभावशाली चित्रण किया गया है। हल्बा विद्रोह, सरगुजा विद्रोह, भोपालपट्टनम विद्रोह, परलकोट विद्रोह, तारापुर विद्रोह, लिंगागिरी विद्रोह, कोई विद्रोह, मेरिया विद्रोह, मुरिया विद्रोह, रानी चौरिस विद्रोह, भूमकाल विद्रोह और सोनाखान विद्रोह जैसी ऐतिहासिक घटनाएं दर्शकों को जनजातीय वीरता के उस दौर में ले जाती हैं, जब सीमित संसाधनों के बावजूद हमारे पुरखों ने शक्तिशाली ब्रिटिश साम्राज्य को चुनौती दी थी। झंडा सत्याग्रह और जंगल सत्याग्रह के लिए निर्मित विशेष दीर्घाएं स्वतंत्रता आंदोलन में छत्तीसगढ़ के योगदान को और व्यापक रूप में प्रस्तुत करती हैं। इस संग्रहालय की सबसे बड़ी विशेषता इतिहास और आधुनिक तकनीक का अद्भुत समन्वय है। अत्याधुनिक वीएफएक्स तकनीक, डिजिटल प्रोजेक्शन, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतियों और जीवंत मूर्तिशिल्पों के माध्यम से ऐतिहासिक घटनाओं को इस प्रकार प्रस्तुत किया गया है कि दर्शक स्वयं को उस कालखंड का साक्षी महसूस करते हैं। यहां इतिहास केवल पढ़ा या देखा नहीं जाता, बल्कि उसकी अनुभूति होती है। युद्धभूमि का वातावरण, वीर सेनानियों का संघर्ष, जनजातीय समाज की जीवनशैली और स्वतंत्रता के लिए किए गए बलिदान आधुनिक तकनीक के माध्यम से जीवंत हो उठते हैं। डिजिटल सूचना प्रणाली इस संग्रहालय को विशेष पहचान प्रदान करती है। प्रत्येक दीर्घा में स्थापित डिजिटल बोर्ड, क्यूआर कोड और अन्य आधुनिक माध्यमों से आगंतुक संबंधित ऐतिहासिक घटनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मोबाइल से क्यूआर कोड स्कैन करते ही इतिहास की महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध हो जाती हैं। प्रशिक्षित गाइड भी दर्शकों को जनजातीय विद्रोहों और स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान से परिचित कराते हैं। इस प्रकार यह संग्रहालय इतिहास, शोध, शिक्षा और पर्यटन का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन रहा है। आगंतुकों की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा गया है। संग्रहालय परिसर में स्वच्छ पेयजल, व्यवस्थित पार्किंग, सीसीटीवी सुरक्षा, प्राथमिक उपचार, दिव्यांगजनों के लिए व्हीलचेयर तथा शिशुवती माताओं के लिए शिशु देखभाल कक्ष जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इन व्यवस्थाओं से बच्चों, बुजुर्गों, विद्यार्थियों और परिवारों के लिए संग्रहालय का भ्रमण सुविधाजनक और ज्ञानवर्धक बनता है। लोकार्पण के बाद से ही इस ऐतिहासिक संग्रहालय के प्रति लोगों का आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार सामान्य दिनों में एक से दो हजार तथा अवकाश के दिनों में चार से पांच हजार तक दर्शक यहां पहुंच रहे हैं। शुभारंभ से अब तक तीन लाख से अधिक आगंतुकों का संग्रहालय का अवलोकन करना इसकी बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त मुक्केबाज मैरीकॉम सहित विभिन्न राज्यों के प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों, सैन्य जवानों और विदेशी पर्यटकों ने भी यहां प्रदर्शित जनजातीय शौर्यगाथाओं और छत्तीसगढ़ की समृद्ध विरासत की सराहना की है। यह संग्रहालय केवल अतीत की स्मृतियों को सहेजने तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का सशक्त माध्यम भी है। विशेषकर विद्यार्थियों और युवाओं को यह समझने का अवसर मिलता है कि भारत की स्वतंत्रता केवल कुछ महानगरों या चुनिंदा आंदोलनों के संघर्ष का परिणाम नहीं थी, बल्कि दूरस्थ वनांचलों में रहने वाले जनजातीय समाज ने भी इसके लिए असाधारण त्याग और बलिदान दिया था। यही कारण है कि यह स्मारक राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक गौरव और देशभक्ति की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके साथ ही संग्रहालय छत्तीसगढ़ में पर्यटन की नई संभावनाओं को भी विस्तार दे रहा है। देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों की बढ़ती संख्या स्थानीय रोजगार, पर्यटन सेवाओं और आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित कर रही है। नवा रायपुर की पहचान अब आधुनिक प्रशासनिक राजधानी के साथ जनजातीय इतिहास और सांस्कृतिक पर्यटन के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में भी विकसित हो रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में निर्मित यह भव्य स्मारक इस बात का प्रमाण है कि अपनी ऐतिहासिक विरासत का सम्मान करते हुए आधुनिक तकनीक के माध्यम से उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना ही सांस्कृतिक संरक्षण की सार्थक दिशा है। जनजातीय कल्याण मंत्री रामविचार नेताम के सतत मार्गदर्शन में साकार यह संग्रहालय छत्तीसगढ़ के गौरवशाली अतीत और उज्ज्वल भविष्य के बीच एक मजबूत सेतु बन गया है। नवा रायपुर की धरती पर खड़ा यह भव्य डिजिटल स्मारक आने वाली सदियों तक जनजातीय स्वाभिमान की अमर ज्योति प्रज्वलित रखेगा। इसकी प्रत्येक दीर्घा, प्रत्येक मूर्ति और प्रत्येक ऐतिहासिक दृश्य मानो यही संदेश देता है कि स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ केवल पराधीनता से मुक्ति नहीं, बल्कि अपनी संस्कृति, अस्मिता और स्वाभिमान की रक्षा का अटूट संकल्प है। छत्तीसगढ़ के वीर जनजातीय पुरखों ने अपने रक्त से स्वतंत्रता का जो इतिहास लिखा था, उसे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आधुनिक तकनीक ने नई अभिव्यक्ति दी है। यह केवल एक संग्रहालय नहीं, बल्कि इतिहास का पुनर्जागरण, बलिदानियों का सम्मान और जनजातीय अस्मिता के गौरव का राष्ट्रीय उद्घोष है। लेखक सहायक जनसंपर्क अधिकारी हैं।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शुक्रवार 06 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

बॉलीवुड डेब्यू को लेकर नर्वस हैं ईशा मालवीय, बोलीं-आउटसाइडर को मौका मिलना मेरे लिए बड़ी बात



छोटे पर्दे पर अपनी पहचान बनाने के बाद अब एक्ट्रेस ईशा मालवीय बड़े पर्दे पर अपनी नई पारी शुरू करने जा रही हैं। फिल्म तुम मेरे हो से बॉलीवुड में डेब्यू करने को लेकर ईशा काफी एक्साइटेड हैं। हालांकि, पहली फिल्म को लेकर उनके मन में घबराहट भी है लेकिन वह इस मौके को लेकर ज्यादा खुश हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि एक आउटसाइडर होने के बावजूद उन्हें बड़े पर्दे पर काम करने का मौका मिला है, जो उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। ईशा मालवीय ने कहा, पहली फिल्म होने की वजह से मैं नर्वस हूं और मुझे डर भी लग रहा है लेकिन मेरी खुशी नर्वस होने से कहीं ज्यादा है। एक आउटसाइडर के तौर पर बड़े पर्दे तक पहुंचना मेरे लिए बड़ी बात है। मैं इस मौके को लेकर काफी एक्साइटेड हूं और अपनी फिल्म को दर्शकों के सामने लाने का इंतजार कर रही हूं।ईशा मालवीय ने कहा, मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं। मुझे लगता है कि अब तक मैंने जो मेहनत की है, जिंदगी में जिन मुश्किलों का सामना किया है और मुझे यहां तक पहुंचाने के लिए मेरे माता-पिता ने जो परेशानियां झेली हैं, उन सबका नतीजा अब सामने आ रहा है। मैं फिल्म तुम मेरे हो से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हूं। इसके लिए मैं बहुत खुश हूं।ईशा ने कहा, मेरे लिए अभी भी इस बात पर यकीन करना आसान नहीं है कि मैं सच में बॉलीवुड फिल्म का हिस्सा बन गई हूं। मुझे कई बार ऐसा लगता है, जैसे मैं कोई सपना देख रही हूं। हालांकि, जब

कुणाल खेमू के शो अलायंस के दूसरे सीजन का ऐलान, अमेजन प्राइम वीडियो पर 14 जनवरी 2027 से होगा प्रसारण



अभिनेता कुणाल खेमू की मेजबानी वाले लोकप्रिय रियलिटी शो 'अलायंस' के प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है। निर्माताओं ने शो के दूसरे सीजन की आधिकारिक घोषणा कर दी है। इसके साथ ही नए सीजन के प्रसारण की तारीख भी तय कर दी गई है। यह शो 14 जनवरी, 2027 से अमेजन प्राइम वीडियो पर प्रसारित होगा।जून 2026 में प्रसारित हुए पहले सीजन को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी।

इसी लोकप्रियता को देखते हुए निर्माताओं ने इसे दूसरे सीजन के साथ वापस लाने का फैसला किया है। पहले सीजन में डेजी शाह, अर्सलान गोनी, सोहेल खान, कुशाल टंडन और मैक्सटर्न समेत कुल 16 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया था।

यामी गौतम की नई नवेली या राजकुमार राव की प्रहार, तीसरे दिन 'नई नवेली' ने मारी बाजी

अभिनेत्री यामी गौतम की डरावनी हास्य फिल्म 'नई नवेली' ने प्रदर्शन के पहले तीन दिनों में बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की है। वहीं, अभिनेता राजकुमार राव की जीवनी पर आधारित फिल्म 'प्रहार: द उज्ज्वल निकम स्टोरी' कमाई के मामले में फिलहाल पीछे चल रही है। दोनों फिल्में 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थीं। शुरुआती तीन दिनों के कारोबार में यामी गौतम की फिल्म ने बढ़त बना रखी है।

बॉक्स ऑफिस के आंकड़े जारी करने वाली वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक, 'नई नवेली' ने रिलीज के तीसरे दिन यानी रविवार को 4.40 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म ने पहले दिन 3.25 करोड़ रुपये की कमाई के साथ शुरुआत की थी, जबकि दूसरे दिन इसका कारोबार बढ़कर चार करोड़ रुपये पहुंच गया।

इस तरह फिल्म का तीन दिनों का कुल घरेलू शुद्ध संग्रह 11.65 करोड़ रुपये हो गया है। विदेशों में भी फिल्म को दर्शक मिल रहे हैं। तीसरे दिन विदेशी बाजारों से फिल्म ने लगभग 50 लाख रुपये कमाए, जिससे इसकी कुल विदेशी कमाई दो करोड़ रुपये हो गई। फिल्म का दुनिया भर में कुल कारोबार 15.88 करोड़ रुपये बताया गया है।

दूसरी ओर, राजकुमार राव अभिनीत 'प्रहार: द उज्ज्वल निकम स्टोरी' ने रिलीज के तीसरे दिन रविवार को 3.65 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म ने पहले दिन 2.35 करोड़ रुपये कमाए थे, जबकि दूसरे दिन इसकी कमाई बढ़कर 3.15 करोड़ रुपये हो गई थी।

तीन दिनों में फिल्म का कुल घरेलू शुद्ध संग्रह 9.15 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। वहीं, दुनिया भर में इसका कुल कारोबार 12.86 करोड़ रुपये बताया गया है। इस तरह शुरुआती कमाई के आंकड़ों में फिल्म 'नई नवेली' से पीछे है।

'प्रहार: द उज्ज्वल निकम स्टोरी' में राजकुमार राव ने वरिष्ठ वकील उज्ज्वल निकम की भूमिका निभाई है। निकम मुंबई आतंकी हमलों के दोषी अजमल कसाब के मुकदमे में अभियोजन पक्ष की पैरवी करने के लिए जाने जाते हैं। फिल्म में उनके पेशेवर जीवन और चर्चित मामलों को केंद्र में रखा गया है।

वहीं, 'नई नवेली' डरावनी घटनाओं के साथ हास्य का मेल प्रस्तुत करती है। शुरुआती तीन दिनों के कारोबार में यामी गौतम की फिल्म आगे निकल गई है। हालांकि, दोनों फिल्मों की आगे की कमाई दर्शकों

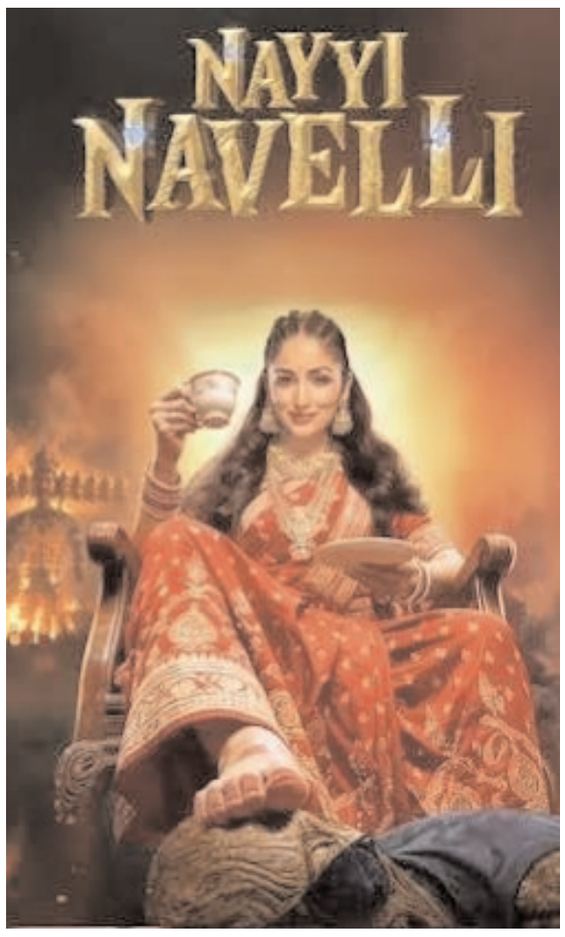

की प्रतिक्रिया और सप्ताह के दौरान सिनेमाघरों में मिलने वाली दर्शक संख्या पर निर्भर करेगी।

जैकी श्रॉफ और शरद केलकर की 'काली खेती' की बदली रिलीज तारीख, अब 20 नवंबर को होगी प्रदर्शित

अभिनेता जैकी श्रॉफ और शरद केलकर की आगामी ग्रामीण पृष्ठभूमि पर आधारित डरावनी फिल्म 'काली खेती' की रिलीज तारीख आगे बढ़ा दी गई है। पहले यह फिल्म 23 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने वाली थी, लेकिन अब दर्शकों को इसके लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा। निर्माताओं ने नई रिलीज तारीख की घोषणा करते हुए फिल्म से दोनों अभिनेताओं के पहले रूप भी जारी किए हैं। अब यह फिल्म 20 नवंबर, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

हारिस इम्तियाज खान के लेखन और निर्देशन में बनी 'काली खेती' ग्रामीण जीवन और कृषि को डरावने तथा रहस्यमयी अंदाज में प्रस्तुत करने का प्रयास करेगी। फिल्म की कहानी गांव की पृष्ठभूमि में रची गई है, जहां खेती-किसानी से जुड़े परिवेश को भय और रहस्य के साथ जोड़ा गया है।

फिल्म के जारी किए गए पोस्टर में जैकी श्रॉफ का अधूरा और डरावना रूप दिखाई दे रहा है। वहीं, शरद केलकर गंभीर और आक्रामक अंदाज में नजर आ रहे हैं। पोस्टर के साथ इस्तेमाल की गई रहस्यमयी धुन फिल्म के भयावह वातावरण की झलक पेश करती है।

निर्माताओं ने इन झलकियों के जरिए फिल्म की रहस्यमयी दुनिया और उसके पात्रों के बारे में उत्सुकता बढ़ाने की कोशिश की है। ग्रामीण परिवेश में रची गई यह कहानी पारंपरिक डरावनी फिल्मों से अलग अंदाज में खेती और गांव की दुनिया को पर्दे पर प्रस्तुत करने का वादा करती है।

'काली खेती' में अभिनेत्री नेहा सरगम मुख्य महिला भूमिका में नजर आएंगी। जैकी श्रॉफ और शरद केलकर की मौजूदगी के साथ फिल्म में ग्रामीण जीवन, रहस्य और डर का मेल देखने को मिलेगा।

विक्टोरिया'ज सीक्रेट फैशन शो में रैंप वॉक करने वाली पहली मलयाली मॉडल बनीं रावलीन वर्गीस

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित विक्टोरिया'ज सीक्रेट फैशन शो का आयोजन 18 अक्टूबर को हुआ। इस शो में एड्रियाना लीमा, गीगी हदीद, बेला हदीद और काइली जेनर जैसी जानी-मानी हस्तियों ने आकर्षक परिधानों में रैंप वॉक किया। इस दौरान केरल के पथानामथिट्टा की रहने वाली 25 वर्षीय मॉडल रावलीन वर्गीस ने भी खास पहचान बनाई।



वह विक्टोरिया'ज सीक्रेट फैशन शो में रैंप वॉक करने वाली पहली मलयाली मॉडल बन गई हैं। उनकी इस उपलब्धि को भारतीय महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण सफलता के रूप में देखा जा रहा है।

रावलीन की खास बात यह है कि मॉडलिंग कभी उनका प्रमुख लक्ष्य नहीं था। डिजाइन की पढ़ाई के लिए दिल्ली आने के बाद महज 18 साल की उम्र में उन्हें मॉडलिंग का अवसर मिला। इसके बाद उन्होंने फैशन की दुनिया में अपनी पहचान बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए। उन्हें पहली बड़ी सफलता न्यूयॉर्क फैशन वीक में प्रबल गुरुंग के स्प्रिंग-समर 2025 संग्रह के जरिए मिली थी।

न्यूयॉर्क फैशन वीक में पदार्पण करने के करीब एक साल बाद ही रावलीन को विक्टोरिया'ज सीक्रेट जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर रैंप वॉक करने का अवसर मिला। शो के दौरान उन्होंने दो अलग-अलग आकर्षक परिधानों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। पहले परिधान में उन्होंने गुलाबी रंग का पारदर्शी लेस वाला अंतर्वस्त्र सेट पहना था, जिसके ऊपर एक रोब था। वहीं, दूसरे रूप में वह सफेद कढ़ाई वाले काले लेस के अंतर्वस्त्र परिधान में नजर आईं। दोनों ही परिधानों में उन्होंने आत्मविश्वास और शालीनता के साथ रैंप पर अपनी छाप छोड़ी।

फैशन जगत के चर्चित पृष्ठ 'डाइट सब्या' ने 19 अक्टूबर को सामाजिक माध्यम इंस्टाग्राम पर रावलीन की तस्वीरें साझा कीं। पृष्ठ ने उनकी उपलब्धि की सराहना करते हुए उन्हें एक नए सितारे के उदय के रूप में प्रस्तुत किया और बताया कि वह इस फैशन शो में रैंप वॉक करने वाली पहली मलयाली मॉडल हैं।रावलीन की निजी दिनचर्या भी उनके प्रशंसकों के लिए दिलचस्प है। खबरों के मुताबिक, फैशन शो से पहले वह अपनी त्वचा की देखभाल करते समय मलयालम गीत बजाकर नृत्य करना पसंद करती हैं। वहीं, शो के बाद उन्हें ब्रुकलिन स्थित 'ताकाहाची' से माचा स्वाद वाला सॉफ्ट सर्व आइसक्रीम खाना पसंद है।रावलीन वर्गीस की यह उपलब्धि बताती है कि अंतरराष्ट्रीय फैशन जगत में भारतीय प्रतिभाएं लगातार अपनी जगह बना रही हैं। केरल के एक छोटे से शहर से निकलकर दुनिया के प्रतिष्ठित फैशन मंच तक पहुंचना उनके लिए बड़ी उपलब्धि है।

सनी देओल की 'सूर्या: अंत से आरंभ तक' का ऐलान, मोशन-पोस्टर के साथ रिलीज तारीख की भी घोषणा

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल की आगामी फिल्म 'सूर्या: अंत से आरंभ तक' की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है। यह एक अपराध और रोमांच पर आधारित एक्शन फिल्म होगी, जिसका निर्देशन एम. पद्मकुमार कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण एमएम मूवीज के बैनर तले किया जा रहा है। निर्माताओं ने फिल्म का पहला दृश्य-गत पोस्टर जारी करने के साथ इसकी प्रदर्शन तिथि का भी खुलासा किया है। फिल्म 20 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'सूर्या: अंत से आरंभ तक' की कहानी एक ऐसे व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अनसुलझे सवालों और दबी हुई सच्चाइयों के बीच फंस जाता है। कहानी में अपराध, रहस्य और रोमांच के कई पहलू देखने को मिलेंगे। हालांकि, निर्माताओं ने अभी फिल्म की कहानी के बारे में विस्तार से जानकारी साझा नहीं की है।

फिल्म के पहले दृश्य-गत पोस्टर में सनी देओल गंभीर और प्रभावशाली अंदाज में नजर आ रहे हैं। उनकी तीखी नजरें और व्यक्तित्व उनके किरदार के भीतर चल रहे संघर्ष की झलक देते हैं। पोस्टर से संकेत मिलता है कि फिल्म में उनका सामना अतीत से जुड़े रहस्यों और कई अनसुलझे सवालों से होगा।

फिल्म में सनी देओल के साथ रवि किशन, प्रज्ञा जायसवाल और जिशु सेनगुप्ता भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। इन कलाकारों की मौजूदगी से फिल्म की कहानी में विविधता आने की उम्मीद है। हालांकि, उनके किरदारों से जुड़ी विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

निर्माताओं ने 'सूर्या: अंत से आरंभ तक' की रिलीज के लिए 20 नवंबर 2026 की तारीख तय की है। फिल्म के पहले पोस्टर के जारी होने के बाद से ही इसे लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है। अब दर्शकों को फिल्म के अगले प्रचार अभियान, कहानी से जुड़े खुलासों और अन्य झलकियों का इंतजार रहेगा।

सनी देओल की इस फिल्म में एक्शन, अपराध और रहस्य का मेल देखने को मिलेगा। फिल्म की सफलता को लेकर अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन इसकी घोषित रिलीज तारीख और कलाकारों की सूची ने इसे आगामी फिल्मों में शामिल कर दिया है।

००

पहला होम जिम बनाने के लिए न खरीदें 12 मशीनें, इन 5 चीजों पर दें ध्यान



जिम के बिना फिटनेस पाना संभव है। इसके लिए आप अपने घर पर होम जिम बना सकते हैं। होम जिम बनाने के लिए आपको 12 मशीनों की जरूरत नहीं होती। कुछ जरूरी सामानों से ही आप अपना होम जिम बना सकते हैं। इससे न केवल आपका समय बचेगा, बल्कि आप अपनी फिटनेस को भी बेहतर बना सकेंगे। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे जरूरी सामानों के बारे में बताते हैं, जो आपके होम जिम के लिए फायदेमंद हो सकते हैं।

योगा मैट

योगा मैट एक जरूरी सामान है, जिसका उपयोग आप योगा, स्ट्रेचिंग या फर्श पर की जाने वाली कसरत के लिए कर सकते हैं।

यह मैट आपके शरीर को आरामदायक महसूस कराने में मदद करता है और फर्श की कठोरता से बचाव करता है।

इसके अलावा यह मैट आपको एक साफ और सुरक्षित जगह प्रदान करता है, जहां आप बिना किसी परेशानी के अपनी कसरत कर सकते हैं। योगा मैट के साथ घर पर ही फिटनेस का आनंद ले सकते हैं।

डंबल्स

डंबल्स सबसे जरूरी उपकरणों में से एक हैं, जिनका उपयोग आप अलग-अलग प्रकार की कसरत के लिए कर सकते हैं।डंबल्स से आप अपनी मांसपेशियों को मजबूत कर सकते हैं और शरीर की ताकत बढ़ा सकते हैं। ये छोटे होते हैं और इन्हें संभालना आसान होता है, जिससे आप घर पर ही आराम से कसरत कर सकते हैं।डंबल्स का उपयोग करके आप कई प्रकार की कसरत कर सकते हैं, जैसे बाइसेप कर्ल, ट्राइसेप एक्सटेंशन, शोल्डर प्रेस आदि।

कूदने वाली रस्सी

कूदने वाली रस्सी एक सरल लेकिन असरदार उपकरण है, जिससे आप दिल की सेहत और फिटनेस प्राप्त कर सकते हैं। इससे आपका दिल स्वस्थ रहता है और आपका वजन नियंत्रित रहता है।कूदने वाली रस्सी का उपयोग करने से आपकी धड़कनें तेज होती हैं, जिससे आपका शरीर ऊर्जा से भरपूर रहता है।यह उपकरण हर उम्र के लोगों के लिए उपयुक्त है और इसे कहीं भी ले जाना आसान होता है।

एक्सरसाइज बॉल

एक्सरसाइज बॉल का उपयोग करके आप संतुलन, स्थिरता और ताकत बढ़ा सकते हैं। इससे कई प्रकार की कसरत की जा सकती हैं, जो पेट, पीठ और पैरों के लिए फायदेमंद होती हैं।इस बॉल पर बैठने से आपकी मुद्रा सुधरती है और मांसपेशियों पर दबाव कम होता है। यह बॉल आपके घर के किसी भी कोने में आसानी से फिट हो सकती है और इसका इस्तेमाल करके आप अपनी फिटनेस को एक नया आयाम दे सकते हैं।

योगा ब्लॉक

योगा ब्लॉक का उपयोग करके आप अपनी योगा रूटीन को बेहतर बना सकते हैं। ये ब्लॉक्स आपकी सहायता करते हैं जब आपको किसी मुद्रा को सही तरीके से करने में कठिनाई होती है। इनसे आपकी कसरत अधिक असरदार होती जाती है।

इन 5 जरूरी सामानों की मदद से आप अपने घर पर ही एक बेहतरीन होम जिम बना सकते हैं और फिटनेस का आनंद ले सकते हैं। इनसे न केवल आपका समय बचेगा, बल्कि आपकी फिटनेस भी बेहतर होगी।

क्या बाथ टॉवल बदलने का समय आ गया है? इन 5 संकेतों से लगाएं पता



बाथ टॉवल का इस्तेमाल करने से त्वचा को सुखाने में मदद मिलती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बाथ टॉवल को कितने समय तक इस्तेमाल किया जा सकता है? दरअसल, बाथ टॉवल को लंबे समय तक इस्तेमाल करने से उसमें कीटाणु पनपने लगते हैं, जो त्वचा के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। आइए आज हम आपको 5 ऐसे संकेतों के बारे में बताते हैं, जो यह बताते हैं कि आपको अपना बाथ टॉवल बदल लेना चाहिए।

गंध आना

अगर आपके बाथ टॉवल में अजीब गंध आने लगे तो उसे तुरंत बदल दें। गीला बाथ टॉवल एक ऐसी जगह होती है, जहां कीटाणु तेजी से बढ़ते हैं, जो त्वचा पर संक्रमण का कारण बन सकते हैं।इसलिए अगर आपके बाथ टॉवल में अजीब गंध आने लगे तो उसे तुरंत बदल दें।इसके अलावा इस्तेमाल किए हुए बाथ टॉवल को हमेशा खुली जगह पर सुखाएं ताकि उसमें मौजूद नमी दूर हो जाएं और कीटाणु न पनप सकें।

अगर बाथ टॉवल बहुत पतला हो गया हो तो उसे बदलें

अगर आपका बाथ टॉवल बहुत पतला हो गया है तो उसे बदलें। कई बार धोने के बाद बाथ टॉवल का कपड़ा ढीला और पतला हो जाता है, जिससे वह अपनी नमी को अच्छे से सोख नहीं पाता है।ऐसे बाथ टॉवल से त्वचा पर खरोंच भी आ सकती है, इसलिए अगर आपका बाथ टॉवल बहुत पतला हो गया हो तो उसे बदल लें।

दाग-धब्बे दिखाई दें तो बदलें बाथ टॉवल

अगर आपके बाथ टॉवल पर दाग-धब्बे दिखाई देने लगे तो उसे बदल लें। बाथटॉवल पर साबुन या शैंपू के दाग लगते हैं, जिन्हें धोने से साफ नहीं किया जा सकता है।अगर आपके बाथ टॉवल पर पसीने या गंदगी के दाग लगे हैं तो उसे भी बदल लें। इन दागों को साफ करने में काफी समय लग सकता है।

ज्यादा इस्तेमाल के बाद भी नहीं दिख रहा है बदलाव

अगर आप अपने बाथ टॉवल का इस्तेमाल ज्यादा करते हैं और फिर भी उसमें कोई बदलाव नहीं आ रहा है तो उसे बदल लें।

आमतौर पर इस्तेमाल के बाद बाथ टॉवल थोड़ा मुलायम और ज्यादा सोखने वाला हो जाता है। अगर ऐसा नहीं हो रहा है तो इसका मतलब है कि वह पुराना हो गया है।

इसके अलावा अगर बाथ टॉवल ज्यादा गीला रह रहा है तो उसे बदल लें।

ज्यादा समय तक इस्तेमाल करना नहीं है सही

अधिकतर लोग अपने बाथ टॉवल को 2 साल तक इस्तेमाल कर लेते हैं, लेकिन विशेषज्ञों के मुताबिक, हर 6-12 महीने में बाथ टॉवल को बदल लेना चाहिए, खासकर अगर आपके बाथ टॉवल पर कोई विशेष धारण जैसे कि रंग, डिजाइन या पैटर्न नहीं है।

समय-समय पर अपने बाथ टॉवल को बदलना न केवल आपकी त्वचा बल्कि आपके स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा है। इसलिए हर 6-12 महीने में अपने बाथ टॉवल को बदल लें।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शुक्रवार 06 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन को मिली हार, ट्रंप पर मंडराया महाभियोग का खतरा

अमेरिकी संविधान में राष्ट्रपति को हटाने के लिए सीनेट में दो-तिहाई समर्थन जरूरी



वाशिंगटन। अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की बुरी तरह हार के बाद अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी ने प्रतिनिधि सभा में पूर्ण बहुमत हासिल कर लिया है। इससे उसे ट्रंप प्रशासन के खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही करने और सरकार के कामकाज की जांच कराने का पूरा पॉवर मिल गया है। हालांकि, केवल प्रतिनिधि सभा में बहुमत से ट्रंप को राष्ट्रपति पद से हटाना संभव नहीं है। इसके लिए सीनेट में दो-तिहाई सदस्यों का समर्थन जरूरी होता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने 6 जनवरी को रिपब्लिकन सांसदों को चेतावनी दी थी कि यदि पार्टी मिडटर्म चुनाव नहीं जीतती है तो डेमोक्रेट्स उन्हें महाभियोग के जरिए हटाने का बहाना तलाशेंगे। चुनाव में डेमोक्रेट्स ने प्रतिनिधि सभा की 435 सीटों में से बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। चुनाव से पहले रिपब्लिकन पार्टी को सदन में 218-214 की मामूली बढ़त हासिल थी। अमेरिकी संविधान के मुताबिक राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव प्रतिनिधि सभा में साधारण बहुमत से पारित किया जा सकता है। इसके बाद सीनेट में सुनवाई होती है। राष्ट्रपति को दोषी ठहराने और पद से हटाने के लिए मौजूद सीनेटरों के दो-तिहाई मतों की जरुरत होती है। इसलिए डेमोक्रेट्स के लिए केवल प्रतिनिधि सभा में बहुमत हासिल करना पर्याप्त नहीं है। ट्रंप अपने पहले कार्यकाल में दो बार महाभियोग का सामना कर चुके हैं। दिसंबर 2019 में उन पर सत्ता के दुरुपयोग और कांग्रेस की जांच में बाधा डालने के आरोप लगे थे। फरवरी 2020 में सीनेट ने उन्हें बरी कर दिया। जनवरी 2021 में कैपिटल हिंसा के बाद उन पर विद्रोह के लिए उकसाने का आरोप लगाते हुए दूसरी बार महाभियोग चलाया गया। इस बार सीनेट में 57 सदस्यों ने दोषी ठहराने के पक्ष में मतदान किया, लेकिन यह दो-तिहाई बहुमत से कम था। फिलहाल डेमोक्रेटिक नेता हकीम जेफ्रीज ने ट्रंप के खिलाफ तीसरी बार महाभियोग चलाने की योजना की पुष्टि नहीं की है। उन्होंने कहा कि पार्टी का प्राथमिक ध्यान महंगाई, जीवनयापन की लागत और जवाबदेही पर रहेगा। वहीं, डेमोक्रेट्स ट्रंप प्रशासन के कामकाज की व्यापक जांच करने की तैयारी में हैं। बहुमत मिलने से उन्हें समन जारी करने और अधिकारियों से जवाब मांगने का अधिकार भी मिलेगा। इस प्रकार चुनावी हार ने ट्रंप के सामने राजनीतिक और संसदीय चुनौतियां बढ़ा दी हैं, लेकिन महाभियोग के जरिए उन्हें पद से हटाने की राह अब भी आसान नहीं है।



लंदन में सुप्रीम कोर्ट के बाहर प्रदर्शन करते हुए फिलिस्तीनी समूह के सदस्यों को हटात हुए पुलिसकर्मी।

ईरान युद्ध की वजह से हम चुनाव हारे, यह हर कोई जानता है, जेडी वेंस

वाशिंगटन। अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी की बहुत बुरी हार हुई है। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इस हार का कारण साफ तौर पर ईरान युद्ध बताया है। वेंस की इस बात का समर्थन ट्रंप के सबसे बड़े बेटे ट्रंप जूनियर ने भी किया है। इससे राष्ट्रपति के अपने खेमे के अंदर से ईरान युद्ध को लेकर मौजूद मतभेद सामने आ गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वेंस ने रिपब्लिकन पार्टी की चुनावी हार की वजह ईरान संघर्ष, बढ़ती महंगाई और अमेरिका की विदेश नीति को लेकर मतदाताओं की चिंताओं को दूर न कर पाना बताया। वेंस ने एक्स पर बताया कि हम युद्ध की वजह से हारे हैं। कल रात खुद राष्ट्रपति ने भी यही बात कही थी। जेडी वेंस के पोस्ट शेयर करने के ठीक एक घंटे बाद, ट्रंप जूनियर ने इस पोस्ट को रीपोस्ट किया और लिखा, इसकी हर एक बात बिल्कुल सही है। जेडी वेंस ने लिखा- अगर आप यह तर्क देना चाहते हैं कि यह सब जायज था, कि अगले 6 सालों के लिए सीनेट में हार जाना एक सही कीमत थी, तो आप ऐसा कर सकते हैं। आप कह सकते हैं कि यह एक ऐसी कीमत थी जिसे चुकाना सही था। आप इससे सहमत हों या न हों, कम से कम यह एक ईमानदार बात होगी। उन्होंने आगे लिखा, लेकिन हर कोई जानता है कि हम क्यों हारे। और अब आगे क्या करना है, इस पर कोई भी ईमानदार चर्चा यहीं से शुरू होनी चाहिए। वेंस ने आगे लिखा, मैं अपने देश को लेकर अभी भी आशान्वित हूं। जो लोग बहुत नाराज हैं और कहना चाहते हैं कि मैंने तो पहले ही कहा था, आप सही हैं, आपने वाकई हमें पहले ही बता दिया था। वेंस ने आगे लिखा- अपनी इस ऊर्जा का इस्तेमाल ऐसे रिपब्लिकन नेताओं को चुनने में करें, जिनकी सोच आपसे मेल खाती हो। जो लोग नतीजों से नाराज हैं और उन्हें होना भी चाहिए। वे अपनी इस नाराजगी को एक दिशा दें और अपने देश को बचाने के काम में फिर से जुट जाएं।

ईरान युद्ध और महंगे पेट्रोल ने डुबोई ट्रंप की पार्टी की नैया

वॉशिंगटन। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को मिली करारी हार के बाद खुद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्वीकार किया है कि ईरान के साथ जारी युद्ध ने चुनाव परिणामों को प्रभावित किया। उन्होंने माना कि पिछले आठ महीनों से चल रहे संघर्ष के कारण ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी हुई, जिससे अमेरिकी मतदाताओं की नाराजगी बढ़ी। हालांकि, ट्रंप ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि उन्हें दोबारा फैसला लेने का मौका मिलता, तो वह ईरान के खिलाफ वही कदम उठाते। बुधवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि ईरान युद्ध और पेट्रोल की बढ़ती कीमतों ने चुनाव में उनकी पार्टी को नुकसान पहुंचाया। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के इस बयान पर सहमति जताते हुए उन्होंने कहा कि यह बात काफी हद तक सही है। ट्रंप ने पेट्रोल की कीमतों में हुई बढ़ोतरी को चुनावी हार का प्रमुख कारण बताया। उनके मुताबिक, मतदाता ईरान के साथ संघर्ष के दीर्घकालिक उद्देश्य से सहमत हो सकते हैं, लेकिन युद्ध के कारण बढ़ी महंगाई और ईंधन की कीमतों का तत्काल बोझ उठाने के लिए तैयार नहीं थे। उन्होंने दोहराया कि ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से रोकना जरूरी था और इसी उद्देश्य से सैन्य कार्रवाई की गई। इससे पहले उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी रिपब्लिकन पार्टी की हार के लिए ईरान युद्ध को जिम्मेदार ठहराया था, जिससे देश में आर्थिक दबाव बढ़ा और मतदाताओं में असंतोष पैदा हुआ।

ट्रंप की हार से हड़कंप, एनवीडिया से एसके हाइनिक्स तक गिरावट

वॉशिंगटन। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की बड़ी जीत और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को मिले झटके का असर वैश्विक शेयर बाजारों पर साफ दिख रहा है। इस चुनावी नतीजे के बाद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सेमीकंडक्टर और डेटा सेंटर से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में भारी दबाव देखने को मिला है। एशियाई बाजारों में तकनीकी कंपनियों में बिकवाली के चलते दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक करीब 4 प्रतिशत और जापान का निक्केई 225 लगभग 5 प्रतिशत तक लुढ़क गया।

निजी कंपनियों को दिए जा रहे रक्षा ठेकों को लेकर पेंटागन की कड़ी निगरानी जरुरी

डेमोक्रेटिक पार्टी के स्मिथ ने कांग्रेस के लिए निगरानी संबंधी प्राथमिकताएं सामने रखीं

वाशिंगटन। अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी के वरिष्ठ सांसद एडम स्मिथ ने ईरान संघर्ष, लैटिन अमेरिका में अमेरिकी सैन्य अभियानों और निजी कंपनियों को दिए जा रहे रक्षा ठेकों को लेकर पेंटागन की कड़ी निगरानी की मांग की है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की सशस्त्र सेवा समिति में डेमोक्रेटिक पार्टी के शीर्ष सदस्य स्मिथ ने 120वीं कांग्रेस के लिए अपनी पार्टी की निगरानी संबंधी प्राथमिकताएं सामने रखीं। उन्होंने कहा कि अगली कांग्रेस में रक्षा विभाग और ट्रंप प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। सांसद स्मिथ ने पेंटागन के वरिष्ठ अधिकारियों की सार्वजनिक गवाही बढ़ाने और समिति में निगरानी एवं जांच के लिए समर्पित उपसमिति को फिर से बहाल करने का प्रस्ताव रखा है। ईरान के साथ जारी संघर्ष को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करते हुए उन्होंने इसे अवैध युद्ध करार दिया, हालांकि यह उनकी राजनीतिक और कानूनी राय है और उन्होंने अपने बयान में इसके समर्थन में कोई विस्तृत कानूनी विश्लेषण पेश नहीं किया। स्मिथ ने आगे कहा कि सरकार की ओर से निजी कंपनियों को दिए जाने वाले ठेकों और वित्तीय सहायता की भी गहन जांच होनी चाहिए, ताकि सरकारी धन के इस्तेमाल में संभावित अनियमितताओं, धोखाधड़ी और दुरुपयोग का पता लगाया जा सके। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि कैरेबियाई क्षेत्र और लैटिन अमेरिका में अनधिकृत सैन्य हमलों, अमेरिकी शहरों में सैन्य तैनाती और सशस्त्र बलों के राजनीतिकरण जैसे मुद्दे भी निगरानी के दायरे में होने चाहिए। रक्षा बजट पर अपनी राय रखते हुए स्मिथ ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक के विशाल रक्षा बजट की जरूरत नहीं होनी चाहिए।

नासा का स्विफ्ट टेलीस्कोप 22 साल बाद पृथ्वी पर गिरा, वायुमंडल में हुआ नष्ट

वॉशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का 22 साल पुराना स्विफ्ट स्पेस टेलीस्कोप पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते ही जलकर नष्ट हो गया। ब्रह्मांड के सबसे शक्तिशाली विस्फोटों और ब्लैक होल से जुड़े रहस्यों का अध्ययन करने वाले इस प्रतिष्ठित अंतरिक्ष मिशन का अंत हो गया। राहत की बात यह है कि इसके पृथ्वी पर गिरने से किसी तरह के नुकसान या किसी व्यक्ति के घायल होने की खबर नहीं है। नासा के अनुसार, 1,452 किलोग्राम वजनी यह टेलीस्कोप भारतीय समयानुसार बुधवार शाम 6 बजकर 9 मिनट पर इंडोनेशिया के उत्तरी सुमात्रा प्रांत के ऊपर पृथ्वी के वायुमंडल में दाखिल हुआ। उस समय इसकी गति ध्वनि की गति से लगभग 22 गुना अधिक थी। वायुमंडल में प्रवेश के दौरान पैदा हुई भीषण गर्मी और घर्षण के कारण इसका अधिकांश हिस्सा जलकर खत्म हो गया। वैज्ञानिकों को आशंका थी कि टेलीस्कोप के कुछ हिस्से वायुमंडल में जलने से बचकर धरती तक पहुंच सकते हैं, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। स्विफ्ट टेलीस्कोप को वर्ष 2004 में लॉन्च किया गया था। इसे मूल रूप से केवल दो साल के मिशन के लिए तैयार किया गया था, लेकिन इसने अपने निर्धारित कार्यकाल से करीब 20 साल अधिक काम किया।

जर्मन विदेश मंत्री के बयान को ईरान ने शर्मनाक और निम्न स्तर का बताया



बाघेई ने कड़ी आलोचना कर जर्मन चांसलर की पुरानी टिप्पणियों को याद दिलाया

तेहरान। ईरान ने जर्मन के विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल के उस बयान पर सख्त ऐतराज जताया, जिसमें उन्होंने ईरान पर अमेरिका-इजराइल की संयुक्त कार्रवाई का बचाव किया था। गुरुवार को ईरानी विदेश मंत्रालय ने इसे शर्मनाक और निम्न स्तर का बयान करार दिया। एक्स पर एक पोस्ट में ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने जर्मन मंत्री की कड़ी आलोचना की और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की पुरानी टिप्पणियों को भी याद दिलाया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बाघेई ने अपनी पोस्ट में लिखा- एक समय चांसलर मर्ज ने बड़े उत्साह से कहा था कि इजराइल, ईरान पर हमला करके गंदा काम कर रहा है, लेकिन कुछ ही महीनों बाद वही चांसलर अब इस बात पर अफसोस जता रहे हैं कि इस युद्ध की वजह से यूरोपीय अर्थव्यवस्था को 100 अरब यूरो का नुकसान हो रहा है! बाघेई ने लिखा कि अब उनके विदेश मंत्री भी ईरान पर हुए सैन्य हमले को सही ठहराने के लिए मजबूर महसूस कर रहे हैं। वे इतनी उदासीनता और गहरे नैतिक पतन का शिकार हैं कि न तो उन्हें इंसानी जानों के नुकसान और युद्ध अपराधों का एहसास है, और न ही वे उस आर्थिक नुकसान को समझ पा रहे हैं जो यह युद्ध उनके अपने देश और पूरे यूरोप को नुकसान पहुंचा रहा है। बाघेई ने एक जर्मन कहावत के जरिए अपनी बात कही। उन्होंने कहा कि नुकसान उठाने से इंसान समझदार बनता है, लेकिन ऐसा लगता है कि हंस गुक-इन-दी-लुफ्ट यानी लापरवाह व्यक्ति को कुछ भी सिखाया नहीं जा सकता। विदेश मंत्री वाडेफुल का बुधवार को एक पॉडकास्ट प्रसारित हुआ जिसमें उन्होंने सैन्य हमले को सही तो नहीं ठहराया, लेकिन साथ ही उन्होंने कहा कि इस टकराव का कारण जाहिर तौर पर ईरान है, जो खुद को परमाणु हथियारों से लैस करने की तैयारी कर रहा है और कई पड़ोसी देशों में ऐसे मिलिशिया समूहों का समर्थन करता है, जो उन देशों की संप्रभुता का सम्मान नहीं करते हैं। ईरान के मुताबिक उनका यह वक्तव्य अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिका और इजराइल के पक्ष में है और उनके कार्यों को न्यायोचित ठहराने जैसा है। जून में ही जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने इजराइल और अमेरिका के ईरान पर किए गए हमलों को लेकर संतुलित बयान देने की कोशिश की थी। उन्होंने उस समय कहा था कि इजराइल हम सबकी तरफ से गंदा काम कर रहा है। हालांकि, ईरान अब जर्मनी के बदलते रुख और बयानों को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त कर रहा है।

ईरान युद्ध और तेल कीमतें बनीं ट्रंप की मिडटर्म हार का कारण

वॉशिंगटन। अमेरिकी राजनीति में मिडटर्म चुनावों के नतीजों के बाद पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का खेमा अब ईरान युद्ध और तेल की बढ़ती कीमतों को अपनी हार का बड़ा कारण मानने लगा है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने हार का ठीकरा सीधे तौर पर ईरान युद्ध और इजरायल से संबंधों पर फोड़ा है, जिसका समर्थन खुद ट्रंप के बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर ने भी किया है। यह दर्शाता है कि अमेरिकी प्रशासन अब ईरान युद्ध को एक राजनीतिक बोझ के तौर पर देख रहा है, हालांकि ट्रंप चुनाव के नतीजों को स्वीकार करते हुए नजर आ रहे हैं। ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान फरवरी में ईरान युद्ध की शुरुआत की थी, यह एक ऐसी घटना थी जिसमें उन्हें एक बड़ी रणनीतिक भूल करते हुए देखा गया। उस समय ट्रंप इसे एक या अधिकतम दो महीने में खत्म करने की बात कह रहे थे, लेकिन नौ महीने बीत जाने के बाद भी यह युद्ध जारी है। रिपब्लिकन पार्टी के लिए यह युद्ध एक बड़ी मुसीबत बनकर उभरा है। इस युद्ध का वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों पर सीधा असर पड़ा, जिससे आम अमेरिकी नागरिकों की जेब पर भी भार बढ़ने लगा।

संक्षिप्त समाचार

मैसी ने हेगसेथ के इस्तीफे की मांग की, महाभियोग की दी चेतावनी

वाशिंगटन। ईरान युद्ध को लेकर बढ़ते असंतोष के बीच, रिपब्लिकन सांसद थॉमस मैसी ने युद्ध सचिव पीट हेगसेथ से तुरंत इस्तीफा देने की मांग की है। मैसी ने स्पष्ट चेतावनी दी कि अगर हेगसेथ पद नहीं छोड़ते हैं, तब वह उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही फिर से शुरू कर सकते है। मिडटर्म चुनावों में डेमोक्रेट्स द्वारा कांग्रेस के दोनों सदनों पर नियंत्रण हासिल करने के बाद, युद्ध सचिव पर दबाव काफी बढ़ गया है, जो अमेरिकी राजनीति में एक विवादास्पद हस्ती माने जाते हैं और अपनी ही रिपब्लिकन पार्टी के भीतर भी कई विरोधियों का सामना कर रहे हैं। मैसी ने आरोप लगाया है कि हेगसेथ ने कांग्रेस की मंजूरी के बिना ईरान के खिलाफ युद्ध छेड़कर अपने पद का दुरुपयोग किया है। उन्होंने कहा कि वे महाभियोग का प्रस्ताव तभी दोबारा पेश नहीं करुंगा, जब हेगसेथ इस्तीफा दे दें। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मैसी संघीय सांसदों के अगले सत्र में लौटने पर महाभियोग के प्रयास पर सदन में मतदान कराने का इरादा रखते हैं, और उम्मीद है कि यह प्रस्ताव सदन से पारित हो जाएगा। यह स्थिति तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज बुश के कार्यकाल की याद दिलाती है, जब इराक युद्ध को लेकर असंतोष के बीच डेमोक्रेट्स ने कांग्रेस पर नियंत्रण किया था और तत्कालीन रक्षा सचिव डोनाल्ड रम्सफेल्ड को हटाया था। हालांकि, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हेगसेथ का पुरजोर समर्थन कर उन्हें युद्ध का चैंपियन बताया और कहा कि वह बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। रक्षा विभाग ने भी पुष्टि की है कि हेगसेथ ट्रंप के कार्यकाल के अंत तक पेंटागन का नेतृत्व करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। लेकिन ट्रंप प्रशासन के भीतर से भी हेगसेथ के खिलाफ आवाजें उठ रही हैं। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान युद्ध की औचित्य पर सवाल उठाए हैं, यह कहकर कि इस युद्ध की वजह से रिपब्लिकनों को कांग्रेस पर से अपना नियंत्रण खोना पड़ा। रिपब्लिकन सीनेटर थॉम टिलिस ने भी संकेत दिया है कि हेगसेथ को जल्द ही मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। टिलिस ने कहा कि सांसदों के साथ हेगसेथ के खराब रिश्तों की वजह से, कांग्रेस में 1.5 ट्रिलियन डॉलर के रक्षा खर्च पैकेज को पारित कराने की ट्रंप प्रशासन की कोशिशों को नुकसान पहुंच रहा है।

हकीम जेफ्रीज अमेरिकी स्पीकर पद की दौड़ में, ट्रंप टैरिफ खत्म करने का वादा

वाशिंगटन। अमेरिका में हुए चुनावों के बाद प्रतिनिधि सभा में बहुमत हासिल करने वाली डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता हकीम जेफ्रीज सदन के नए अध्यक्ष बनने के लिए तैयार हैं। यदि वह निर्वाचित होते हैं, तो वह अमेरिकी इतिहास में इस प्रतिष्ठित पद को संभालने वाले पहले अश्वेत व्यक्ति होंगे, जो एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। अमेरिकी संसद कांग्रेस का सत्र तीन जनवरी से शुरू होगा, जहां अध्यक्ष पद के लिए मतदान होगा। अमेरिकी शासन में यह पद राष्ट्रपति के बाद उत्तराधिकार की सूची में दूसरे स्थान पर आता है। साथ ही, यह कांग्रेस का एकमात्र नेतृत्व पद है, जिसका उल्लेख अमेरिकी संविधान में अनिवार्य रूप से किया गया है, जो इसकी गरिमा और शक्ति को दर्शाता है। उम्मीदवार बनाए जाने के बाद एक कार्यक्रम में जब जेफ्रीज पहुंचे, तब लोगों ने गर्मजोशी से तालियां बजाकर उनका स्वागत किया और स्पीकर! स्पीकर! के नारे लगाए, जो उनकी लोकप्रियता का परिचायक है। जेफ्रीज ने कहा, यह किसी दलगत राजनीति का नहीं, बल्कि देशभक्ति दिखाने का समय है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रतिनिधि सभा के डेमोक्रेट सांसद यह अच्छे से समझते हैं कि यह बदलाव के लिए दिया गया जनादेश है और अमेरिकी जनता व्यापक तथा बुनियादी बदलाव की मांग कर रही है। उन्होंने जनता को आश्वस्त करते हुए कहा, हम आपकी आवाज सुन रहे हैं। हम उस बड़े बदलाव को लाने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे, जिसके आप हकदार हैं। ब्रूकलिन में जन्मे 56 वर्षीय जेफ्रीज यदि अध्यक्ष चुने जाते हैं, तब वह रिपब्लिकन पार्टी के माइक जॉनसन की जगह लेने वाले है। वह उस समय में सदन की कमान संभालने वाले हैं, जब 20वीं सदी के नागरिक अधिकार आंदोलन की कई ऐतिहासिक उपलब्धियों को एक बार फिर चुनौती दी जा रही है।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के पहले अश्वेत अध्यक्ष हो सकते हकीम

वाशिंगटन। अमेरिका में हुए चुनावों के बाद प्रतिनिधि सभा में बहुमत हासिल करने वाली डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता हकीम जेफ्रीज सदन के नए अध्यक्ष बनने के लिए तैयार हैं। यदि वह निर्वाचित होते हैं, तो वह अमेरिकी इतिहास में इस प्रतिष्ठित पद को संभालने वाले पहले अश्वेत व्यक्ति होंगे, जो एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। अमेरिकी संसद कांग्रेस का सत्र तीन जनवरी से शुरू होगा, जहां अध्यक्ष पद के लिए मतदान होगा। अमेरिकी शासन में यह पद राष्ट्रपति के बाद उत्तराधिकार की सूची में दूसरे स्थान पर आता है। साथ ही, यह कांग्रेस का एकमात्र नेतृत्व पद है, जिसका उल्लेख अमेरिकी संविधान में अनिवार्य रूप से किया गया है, जो इसकी गरिमा और शक्ति को दर्शाता है। उम्मीदवार बनाए जाने के बाद एक कार्यक्रम में जब जेफ्रीज पहुंचे, तो लोगों ने गर्मजोशी से तालियां बजाकर उनका स्वागत किया और स्पीकर! स्पीकर! के नारे लगाए, जो उनकी लोकप्रियता का परिचायक है। जेफ्रीज ने इस अवसर पर कहा, यह किसी दलगत राजनीति का नहीं, बल्कि देशभक्ति दिखाने का समय है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रतिनिधि सभा के डेमोक्रेट सांसद यह अच्छे से समझते हैं कि यह बदलाव के लिए दिया गया जनादेश है और अमेरिकी जनता व्यापक तथा बुनियादी बदलाव की मांग कर रही है। उन्होंने जनता को आश्वस्त करते हुए कहा, हम आपकी आवाज सुन रहे हैं। हम उस बड़े बदलाव को लाने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे, जिसके आप हकदार हैं। ब्रूकलिन में जन्मे 56 वर्षीय जेफ्रीज यदि अध्यक्ष चुने जाते हैं, तो वह रिपब्लिकन पार्टी के माइक जॉनसन की जगह लेंगे। वह ऐसे समय में सदन की कमान संभालेंगे, जब 20वीं सदी के नागरिक अधिकार आंदोलन की कई ऐतिहासिक उपलब्धियों को एक बार फिर चुनौती दी जा रही है।

राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत दूसरी बार दोषी ठहराए गए वोंग, 10 साल की जेल

हांगकांग। हांगकांग के प्रमुख कार्यकर्ता जोशुआ वोंग को गुरुवार को चीन द्वारा लागू राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत दूसरी बार दोषी ठहराए जाने पर 10 साल कैद की सजा सुनाई है। वोंग पर 2025 में राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए विदेशी ताकतों के साथ मिलीभगत की साजिश रचने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने सितंबर में इस अपराध को स्वीकार कर लिया था, आमतौर पर इससे सजा कम हो सकती है। वोंग (30) पहले से ही शहर के सबसे बड़े राष्ट्रीय सुरक्षा मामले में दोष स्वीकार करने के बाद चार साल और आठ महीने की जेल की सजा काट रहे हैं। यह मामला एक अनौपचारिक प्राइमरी चुनाव से जुड़ा था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विदेशी ताकतों के साथ मिलीभगत के आरोप में मुकदमा चलाए जाने से पहले वोंग के जनवरी 2027 में रिहा होने की उम्मीद थी। सजा पर सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने कहा कि वोंग का अपराध गंभीर प्रकृति का था और उन्होंने इस दलील को खारिज कर दिया कि इस मामले में उनकी भूमिका सीमित थी। उन्होंने यह भी कहा कि शुरुआत में 13 साल की जेल की सजा देने का फैसला किया था लेकिन वोंग के दोष स्वीकार होने पर इसे कम कर दिया। कोर्ट से बाहर निकलने से पहले वोंग शांत नजर आए और उन्होंने अपने समर्थकों का शुक्रिया अदा किया। उनके समर्थकों ने उन्हें हाथ हिलाकर विदाई दी। न्यायाधीश ने कहा कि वोंग की दोनों जेल की सजाएं एक साथ चलेंगी। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत पिछले मामले में सुनाई गई सजा पूरी होने में करीब दो महीने बाकी हैं। वोंग को दोषी ठहराए जाने को असहमति की आवाज दबाने के रूप में देखा जा रहा है। पर्यवेक्षकों का कहना है कि वोंग को सुनाई गई सजा से पता चलता है कि अधिकारी प्रमुख कार्यकर्ताओं को यथासंभव लंबे समय तक जेल में रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इससे नागरिक गतिविधियों पर और ज्यादा अंकुश लग सकता है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शुक्रवार 06 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

सीएसके और सनराइजर्स के बीच हुई ट्रेड डील में चार खिलाड़ियों की हुई अदला-बदली



लिविंगस्टोन और एडवर्ड्स सीएसके में आये, खलील व एलिस सनराइजर्स को मिले

मुम्बई । आईपीएल 2027 को देखते हुए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच ट्रेड डील हुई है। इसके तहत जहां इंग्लैंड के ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन और ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स चेन्नई को मिले हैं। वहीं तेज गेंदबाज खलील अहमद और ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदाबाज नाथन एलिस सनराइजर्स के हिस्से में आये हैं। दोनों फ्रेंचाइजियों ने खिलाड़ियों की इस अदला-बदली से अपनी जरुरत के अनुसार खिलाड़ी लिए हैं। ट्रेड डील में हालांकि लिविंगस्टोन को नुकसान हुआ है। उन्हें अब 13 करोड़ की जगह मिलेंगे 6 करोड़ रुपये ही मिलेंगे। सनराइजर्स ने आईपीएल 2026 से पहले लिविंगस्टोन को 13 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, अब वह चेन्नई सुपर किंग्स में 6 करोड़ रुपये की संशोधित फीस पर शामिल होंगे। वहीं जैक एडवर्ड्स अपने मौजूदा 3 करोड़ रुपये के अनुबंध पर ही सीएसके से खेलेंगे। इस करार के बदले सुपर किंग्स गये तेज गेंदबाज खलील अहमद और एलिस को को हालांकि नुकसान नहीं हुआ है और उन्हें उसी कीमत पर सनराइजर्स में शामिल किया गया है जिस पर उन्हें सीएसके ने रखा था। इस प्रकार खलील को 4.8 करोड़ रुपये और एलिस को 2 करोड़ रुपये की सीएसके में मिल रही राशि ही सनराइजर्स में भी मिलेगी। इन दोनो के आने से सनराइजर्स का गेंदबाजी आक्रमण मजबूत होगा। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स को सनराइजर्स हैदराबाद ने 3 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, पैर में चोट के कारण वह आईपीएल 2026 का पूरा सत्र नहीं खेल पाए थे। अब चेन्नई सुपर किंग्स को उनसे बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में बेहतर विकल्प मिलने की उम्मीद है।

खलील इससे पहले भी सनराइजर्स हैदराबाद की टीम का हिस्सा रह चुके हैं। उन्होंने 2018 से 2021 के बीच इस फ्रेंचाइजी का प्रतिनिधित्व किया था। आईपीएल 2025 में उन्होंने चेन्नई के लिए 14 मुकाबलों में 15 विकेट हासिल किए थे, जबकि 2026 में चोट के कारण वह केवल पांच मैच ही खेल सके।

दूसरी ओर लियाम लिविंगस्टोन के आने से सीएसके को एक आक्रामक बल्लेबाज और ऑलराउंडर मिला है। वहीं एडवर्ड्स भी टीम के लिए एक अतिरिक्त विकल्प होंगे।

विराट की पसंदीदा पारी जानकर हैरान हुए प्रशंसक

ऑकलैंड। भारतीय क्रिकेट के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने एकदिवसीय क्रिकेट में एक से बढ़कर एक पारियां खेली है पर उनकी पसंदीदा पारियों में इन्हें जगह नहीं मिली है। प्रशंसक ये जानकर हैरान हुए कि विराट की पसंदीदा पारी केवल 43 रनों की थी जबकि उन्होंने कई बड़ी पारियां खेली हैं। विराट जिस पारी को सबसे अच्छा मानते हैं वह उन्होंने साल 2013 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ खेली थी। एक वीडियो में कोहली को अपनी कुछ अच्छी एकदिवसीय वनडे पारियों में से पसंदीदा पारी चुनने को का गया था। तब उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 2013 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में खेली गई 43 रन की पारी को सबसे ऊपर रखा। भारतीय टीम बारिश से प्रभावित इस मुकाबले में पांच रन से जीती थी। कोहली ने शुरुआत में 2011 विश्व कप फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ खेली 35 रनों की पारी को भी चुना। उस मुकाबले में भारतीय टीम ने 275 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 31 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। ऐसे मुश्किल समय में कोहली ने गौतम गंभीर के साथ अहम साझेदारी कर टीम को में मदद की थी। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 2012 एशिया कप में खेली 183 रन की पारी को भी पसंदीदा पारियों में नहीं रखा। इस मुकाबले में उन्होंने 330 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए शतक लगाया था। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 160 रन और 2015 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ 107 रन की पारियों को भी उनकी पसंदीदा पारी में नहीं रखा। 43 रन की विराट ने 43 रनों की पारी को पसंदीदा बताने का कारण भी सामने रखा है। 2013 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत को बारिश के कारण 20 ओवर में 129 रन का लक्ष्य मिला था। टीम इंडिया की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 66 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। ऐसे मुश्किल हालात में कोहली ने 43 रन बनाकर रवींद्र जडेजा के साथ 47 रन की अहम साझेदारी की। इसी कारण विराट इस पारी को अपने पसंदीदा पारी मानते हैं।

मेघालय में अदालत के आदेश के बाद बदली गयी रणजी ट्राफी टीम

शिलांग। यहां हाई कोर्ट के आदेश के बाद रणजी ट्रॉफी टीम बदली गयी। ये बदलावा नगालैंड के खिलाफ प्लेट ग्रुप के चौथे दौर के मुकाबले के पहले हुआ। इसमें मेघालय की एक बिल्कुल नई टीम मैदान पर उतरी, जिसने क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया। यह बदलाव मेघालय क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के अंदर चल रही खींचतान के बीच ही मेघालय उच्च न्यायालय के एक आदेश के कारण हुआ। 30 अक्टूबर को अदालत ने एक अहम फैसला सुनाया, जिसके बाद राज्य क्रिकेट से जुड़े सभी मामलों, जिसमें खिलाड़ियों का चयन भी शामिल है, का नियंत्रण एमसीए के अध्यक्ष के नेतृत्व वाले गुट के हाथों में चला गया। इससे उस टीम को बदल दिया गया जिसने शुरुआती तीन मैचों में खेला था। एसोसिएशन के भीतर लंबे समय से चल रही खींचतान और अधिकारों को लेकर यह विवाद आखिरकार अदालत तक पहुँच गया था, जहाँ दोनों गुटों के बीच वर्चस्व की लड़ाई चरम पर थी। उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में अध्यक्ष के गुट की स्थिति को बरकरार रखा, जिसके परिणामस्वरूप टीम चयन का अधिकार भी उनके पास चला गया और नगालैंड के खिलाफ महत्वपूर्ण मुकाबले से ठीक पहले पूरी टीम में व्यापक फेरबदल कर दिया गया। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी इस पूरे मामले में सीधे तौर पर हस्तक्षेप करने से साफ इनकार कर दिया।

विवादों में फंसे रिजवान ने घरेलू कायदे-ए-आजम ट्रॉफी में लगाया दोहरा शतक

एबटाबाद। विवादों में फंसे पाकिस्तान के अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने यहां जारी घरेलू कायदे-ए-आजम ट्रॉफी गोल्ड सीजन के पहले ही मुकाबले में शानदार दोहरा शतक लगा दिया। अभी कुछ महीने पहले ही इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए पाकिस्तानी टीम में शामिल रहने के बाद भी लंबे समय से खराब फॉर्म के कारण उन्हें सीरीज के बीच से ही पाक दल से बाहर कर दिया गया था। इसके बाद से ही रिजवान पाकिस्तान की नेशनल साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के निशाने पर हैं। उनपर ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए से जुड़े कुछ गंभीर आरोप लगे थे। जिसके कारण उनका फोन तक जब्त कर लिया गया था। यहां तक कि उनकी ईमानदारी पर सवाल उठाए गए और उन्हें तीखे सवालों का सामना करना पड़ा, जिससे वह अपमान और मानसिक तनाव के दौर से गुजरे हैं। इसके अलावा पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से भी उनके मतभेद की खबरें आईं थीं। इसके बाद भी रिजवान ने मैदान पर अपनी बल्लेबाजी से अपने आलोचकों को जवाब दिया। एबटाबाद में पेशावर रीजन ब्लूज की तरफ से खेलते हुए, उन्होंने पांचवें नंबर पर उतरकर दोहरा शतक लगाया। पहले दिन का खेल खत्म होने तक उन्होंने नाबाद 111 रन बना लिए थे। वहीं दूसरे दिन इस पारी को यादगार दोहरे शतक में बदल दिया। विपक्षी टीम के गेंदबाजों की पिटाई करते हुए उन्होंने मैदान के चारों तरफ आकर्षक शॉट खेले। उन्होंने 391 गेंदों का सामना करते हुए अपना दोहरा शतक पूरा किया। इस मैराथन और दिलकश पारी के दौरान उनके बल्ले से कुल 35 शानदार चौके और एक छक्का निकला, जो उनके धैर्य और आक्रामक खेल का बेजोड़ मिश्रण था। उनकी इस असाधारण पारी की बदौलत, पेशावर रीजन ब्लूज की टीम ने 115 ओवरों में 4 विकेट के नुकसान पर 503 रनों का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। यह दोहरा शतक दिखाता है कि मोहम्मद रिजवान में अभी भी शीर्ष स्तर पर खेलने की क्षमता है। यह सिर्फ रनों की नहीं बल्कि उनके अटूट आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प की कहानी है।

14 नवंबर से मैदान में वापसी करेंगे सूर्यकुमार

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 और विजय हजारे ट्रॉफी खेलेंगे

मुंबई। टी20 विश्वकप के बाद भारतीय टीम से बाहर किये गये पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव अब एक बार फिर मैदान पर वापसी करने जा रहे हैं। सूर्यकुमार घरेल क्रिकेट टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 और विजय हजारे ट्रॉफी 2026-27 में मुंबई की टीम की कप्तानी करते दिखेंगे। इसमें बेहतर प्रदर्शन कर उनके पास एक बार फिर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का अवसर होगा। सूर्यकुमार 14 नवंबर को मुंबई टीम की ओर से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हैदराबाद के खिलाफ खेलेगी। सूर्यकुमार को टी20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम की जीत के बाद भी टीम से बाहर कर दिया गया था क्योंकि वह अधिक रन नहीं बना पाये थे। इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम चुने जाने के दौरान उन्हें कप्तानी से हटाया गया और बल्लेबाजी में लगातार खराब प्रदर्शन के कारण टीम से भी बाहर कर दिया गया। अब घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन उनके लिए वापसी की राह बना सकता है

सूर्या को इससे पहले मुंबई ने रणजी ट्रॉफी में भी जगह नहीं दी थी। उन्होंने 2026-27 का शुरुआती मुकाबला खेलने की इच्छा जताई थी पर चयनकर्ताओं ने खराब फार्म का हवाला देते हुए उन्हें बाहर कर दिया। मुंबई चयन समिति प्रमुख राजेश पवार ने कहा, वह निश्चित रूप से बड़े मैचों के खिलाड़ी हैं और मुंबई के लिए अपने को साबित कर चुके हैं। हम चाहते हैं कि वह कुछ रेड-बॉल मैच खेलकर लय हासिल करें। गौरतलब है कि सूर्य ने पिछले 18 महीनों से लाल गेंद का कोई मैच नहीं खेला है।

सूर्यकुमार को लेकर आईपीएल 2027 से पहले ट्रेड की अटकलें भी लगाई जा रही थीं पर हाल ही में मुंबई इंडियंस ने ऐसी अटकलों को खारिज कर दिया था। खारिज कर दिया है। ऐसे में वह आगामी सीजन में भी मुंबई की ओर से ही खेलते दिखेंगे।



सेनेगल के डकार में महिलाओं की 200 मीटर तैराकी रेस में आगे निकलती हुई जापान की मेना इसहिकावा।

व्यापार समाचार

संक्षिप्त समाचार

म्यूचुअल फंड निवेश अक्टूबर में धीमा, फिर भी बाजार का मजबूत आधार

नई दिल्ली। अक्टूबर 2026 में म्यूचुअल फंड (एमएफ) का भारतीय शेयर बाजार में निवेश घटकर तीन महीने के निचले स्तर 43,024 करोड़ रुपये पर आ गया। महीने के अंत में बाजार में आई तेजी के चलते फंड हाउसों ने निवेश की रफ्तार धीमी कर दी। हालांकि, इसके बावजूद चालू वर्ष के पहले दस महीनों में एमएफ का कुल निवेश 4.7 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। यदि अगले दो महीनों तक यह गति बनी रहती है, तो कुल निवेश 5 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड आंकड़े को पार कर सकता है, जो कैलेंडर वर्ष 2025 के उच्चतम स्तर के बराबर होगा। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये खुदरा निवेशकों की लगातार भागीदारी ने म्यूचुअल फंड्स को शेयर बाजार का महत्वपूर्ण सहारा बनाया है। यह तब और भी अहम हो जाता है जब विदेशी निवेशक बाजार से लगातार पूंजी निकाल रहे हैं, जिससे घरेलू संस्थागत निवेशकों की बढ़ती ताकत और बाजार को स्थिरता प्रदान करने की क्षमता प्रदर्शित होती है। म्यूचुअल फंड्स की निवेश गतिविधियां मुख्यत: इक्विटी और हाइब्रिड योजनाओं में शुद्ध निवेश पर निर्भर करती हैं। विशेष रूप से हाइब्रिड योजनाओं में शेयरों के लिए तय निवेश अनुपात में बदलाव से कुल खरीद पर बड़ा असर पड़ता है। यह प्रवृत्ति दर्शाती है कि घरेलू बचत का वित्तीयकरण भारतीय शेयर बाजार के लिए एक मजबूत और टिकाऊ आधार बन गया है, जिससे बाजार की विदेशी पूंजी पर निर्भरता कम हो रही है।

बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 500 लाख करोड़ के पार

मुंबई। बाजार की तेजी में बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप पहली बार 500 लाख करोड़ रुपये के पार निकल गया। शुरुआती सेशन में यह 501 लाख करोड़ रुपये के ऊपर तक गया। जबकि पिछले सेशन में क्लोजिंग के बाद यह आंकड़ा 494.4 लाख करोड़ रुपये था। यानी बाजार की तेजी में करीब 7 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई। पिछले सेशन में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने करीब 7,284 करोड़ रुपये की खरीदारी की। बाजार ??के ?जानकारो ने कहा कि विदेशी निवेशकों की ओर से दोबारा खरीदारी शुरू होना घरेलू बाजार के लिए राहत की बात है। अगर आने वाले दिनों में भी विदेशी निवेश जारी रहता है, तो इससे शेयर बाजार में मौजूदा रिकवरी को और मजबूती मिल सकती है। वहीं घरेलू बाजारों को सहारा देने का काम कच्चे तेल की कीमतों में जोरदार गिरावट है। ब्रेंट क्रूड हफ्तेभर में करीब 16 फीसदी गिरकर 94 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गया है। यह दो महीने का निचला स्तर भी है। केवल बीते सेशन में क्रूड के भाव करीब 9 फीसदी गिर गए थे। क्योंकि अमेरिका के मिड टर्म इलेक्शन में प्रेसिडेंट ट्रंप की पार्टी की हार से पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

आरबीआई ने बैंकों में डाले 2.5 लाख करोड़

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में एक ऐसी आर्थिक रणनीति अपनाई है जो पहली नजर में विरोधाभासी लग सकती है। केंद्रीय बैंक ने 7 अक्टूबर 2026 को रेपो रेट में 0.25 फीसदी (25 बेसिस पॉइंट) की बढ़ोतरी कर इसे 5.50 फीसदी कर दिया। जानकारों के अनुसार, यह फरवरी 2023 के बाद पहली बढ़ोतरी है। वहीं दूसरी ओर, आरबीआई ने बैंकिंग सिस्टम में करीब 2.5 लाख करोड़ रुपये की बड़ी नकदी भी डाली है। ये कदम उन लोगों के लिए खास महत्व रखते हैं जो होम लोन, कार लोन या पर्सनल लोन लेने की सोच रहे हैं। आरबीआई के इन दो फैसलों के पीछे अलग-अलग, पर महत्वपूर्ण उद्देश्य हैं। रेपो रेट बढ़ाने का मुख्य मकसद कर्ज पर नियंत्रण कर महंगाई को काबू में लाना है, क्योंकि इससे बैंकों के लिए आरबीआई से उधार लेना महंगा हो जाता है, जिसका बोझ अंतत: ग्राहकों पर पड़ सकता है। इसके विपरीत, बैंकिंग सिस्टम में नकदी डालने का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बैंकों के पास ग्राहकों को कर्ज देने और रोजमर्रा के कामकाज के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध हो, ताकि बाजार में तरलता की कमी न हो।

कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट, ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर के नीचे



नई दिल्ली। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की बड़ी जीत के बाद ईरान के साथ युद्ध जल्द खत्म होने की उम्मीद बढ़ी है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जोरदार गिरावट आई है। गुरुवार को ब्रेंट क्रूड करीब 10 फीसदी गिरकर 100 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गया, कारोबार के दौरान इसकी कीमत 93.22 डॉलर प्रति बैरल तक फिसल गई, जो पिछले दो महीने का सबसे निचला स्तर है। वहीं, अमेरिकी कच्चा तेल वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) भी 90 डॉलर प्रति बैरल के नीचे फिसल गया। निवेशकों को उम्मीद है कि डेमोक्रेटिक पार्टी की जीत से अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप पर ईरान के साथ जारी युद्ध खत्म करने का दबाव बढ़ सकता है। अगर ऐसा होता है, तो पश्चिम एशिया से कच्चे तेल की सप्लाई में और सुधार हो सकता है। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव के दौरान महंगाई और ईरान के साथ जारी युद्ध बड़े मुद्दे रहे थे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने रिपब्लिकन पार्टी की हार के लिए विदेश में जारी संघर्ष को जिम्मेदार ठहराया। वहीं, अमेरिकी सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ने युद्ध खत्म करने की दिशा में कदम उठाने की बात कही है। राष्ट्रपति ट्रंप ने भी कहा कि फिलहाल पश्चिम एशिया में सैन्य कार्रवाई बढ़ाने की उनकी कोई योजना नहीं है। इन घटनाक्रमों से निवेशकों को लग रहा है कि ईरान के साथ युद्ध उम्मीद से पहले खत्म हो सकता है। जानकारों के अनुसार, अमेरिकी चुनाव के नतीजों और ईरान की आर्थिक स्थिति को देखते हुए अब दोनों देशों के बीच समझौते की संभावना ज्यादा नजर आ रही है, क्योंकि चुनाव के बाद ट्रंप की राजनीतिक ताकत काफी कमजोर हुई है। युद्ध खत्म करने की दिशा में कोई समझौता होता है, तो होर्मुज स्ट्रेट से कच्चे तेल की आवाजाही बढ़ सकती है, जिससे वैश्विक बाजार में सप्लाई को लेकर चिंता कम होगी। बड़े निवेशकों और कंप्यूटर आधारित ट्रेडिंग सिस्टम की बिकवाली से भी कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और तेज हुई। पिछले कुछ समय में वास्तविक खरीद-बिक्री वाले बाजार में भी कीमतें कमजोर हुई हैं और होर्मुज से तेल की आवाजाही युद्ध से पहले के स्तर के करीब पहुंच गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम एशिया से सप्लाई में सुधार के कारण वैश्विक तेल बाजार दोबारा अतिरिक्त सप्लाई की स्थिति में पहुंच गया है। सऊदी अरामको भी उत्पादन बढ़ाने की तैयारी में है।

8 नवंबर रविवार को संवत 2083 के स्वागत में खुलेगा बाजार

नई दिल्ली। दिवाली 8 नवंबर को रविवार के दिन पड़ रही है, लेकिन भारतीय शेयर बाजार निवेशकों को इस शुभ अवसर पर निराश नहीं करेगा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) खास मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र का आयोजन करेंगे, जो नए हिंदू संवत 2083 के स्वागत और शुभ शुरुआत के लिए आयोजित किया जाएगा। हर साल की तरह दिवाली के मौके पर भारतीय शेयर बाजार एक विशेष मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र आयोजित करता है, भले ही उस दिन रविवार हो। इस साल भी 8 नवंबर, 2026 को रविवार होने के बावजूद, निवेशक शुभ मुहूर्त में कारोबार कर सकेंगे। यह परंपरा नए हिंदू संवत की शुरुआत से जुड़ी है, जिसमें कई निवेशक शुभ शुरुआत के तौर पर शेयर खरीदते हैं। मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र दोपहर में आयोजित किया जाएगा। एनएसी और बीएसई पर प्री-ओपन सेशन दोपहर 2:05 बजे शुरू होगा। इसके बाद, सामान्य ट्रेडिंग दोपहर 2:20 बजे से शुरू होकर 3:30 बजे तक चलेगी। निवेशकों को इस विशेष समय का ध्यान रखना होगा, क्योंकि बाजार सामान्य कारोबारी दिनों की तरह सुबह 9:15 बजे से नहीं खुलेगा। दिवाली के अलावा, नवंबर 2026 में शेयर बाजार कुछ अन्य दिनों पर भी बंद रहेगा। एक्सचेंज के कैलेंडर के अनुसार 10 नवंबर को दिवाली बलिप्रतिपदा और 24 नवंबर को गुरु नानक जयंती के अवसर पर बाजार में कारोबार नहीं होगा। सामान्य शनिवार और रविवार को तो बाजार बंद रहता ही है, हालांकि 8 नवंबर को मुहूर्त ट्रेडिंग अपवाद रहेगा। निवेशकों को अपनी ट्रेडिंग योजनाओं को इन छुट्टियों के अनुरूप समायोजित करना होगा।

रुपया नौ पैसे टूटकर 94.55 प्रति डॉलर पर खुला

मुंबई। विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की व्यापक मजबूती के दबाव में रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में नौ पैसे टूटकर 94.55 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजार में तेजी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से रुपये को निचले स्तर पर थोड़ा समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.36 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद यह टूटकर 94.55 प्रति डॉलर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में मजबूती के साथ बंद हुआ था।

रैम पर राय भारी, सैम ऑल्टमैन बने राम ऑल्टमैन

नई दिल्ली। ओपनएआई के प्रमुख सैम ऑल्टमैन हाल ही में सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गए हैं। अपने एक विवादास्पद बयान के बाद उन्होंने अपना सोशल मीडिया डिस्प्ले नाम सैम ऑल्टमैन से बदलकर राम ऑल्टमैन कर लिया है। यह बदलाव कंप्यूटर की रैम के सीमित इस्तेमाल पर उनकी राय को लेकर हुए तीव्र विरोध के बाद आया है। एक पॉडकास्ट में ऑल्टमैन ने कहा था कि दुनिया में रैम की उपलब्धता सीमित है। उनके अनुसार, निजी कंप्यूटरों में लगी रैम का बहुत कम समय (लगभग 5 फीसदी) के लिए इस्तेमाल होना संसाधनों की बर्बादी है, जबकि इसका बेहतर उपयोग क्लाउड डेटा सेंटर में किया जा सकता है। इस बयान पर सोशल मीडिया यूजर्स ने कड़ी आपत्ति जताई। लोगों का तर्क था कि अपने पैसे से खरीदे गए कंप्यूटर में अपनी पसंद की रैम रखने का पूरा अधिकार है। कुछ ने आरोप लगाया कि बड़ी एआई कंपनियां रैम की जमाखोरी कर रही हैं, जिससे आम लोगों के लिए कंप्यूटर महंगे हो सकते हैं। विवाद बढ़ने और नाम बदलने के बाद ऑल्टमैन ने सफाई दी कि उनके बयान को गलत समझा गया।



मिलान में इंटरनेशनल टू व्हीलर एक्सहीबिशन में चीनी ब्रांड सेगवे के स्टेंड पर एक रोबोट से बात करते हुए एक व्यक्ति। इस एक्सहीबिशन में कई चीनी ब्रांडों ने अपने नये मॉडल पेश किये हैं।

नवंबर से वित्तीय नियमों में बड़े बदलाव, पेंशनर्स को लाइफ सर्टिफिकेट, म्यूचुअल फंड में डायरेक्ट प्लान डिफॉल्ट

नई दिल्ली । नवंबर माह की शुरुआत के साथ ही देश में कई महत्वपूर्ण वित्तीय नियम लागू हो गए हैं, जिनका सीधा असर आम नागरिक, पेंशनभोगी, निवेशक और करदाता पर पड़ेगा। इन बदलावों में पेंशनर्स के लिए जीवन प्रमाण पत्र, म्यूचुअल फंड में निवेश के नियम, क्रेडिट कार्ड शुल्क और आयकर रिटर्न से जुड़े अहम प्रावधान शामिल हैं। इन नई गाइडलाइंस की जानकारी रखना आर्थिक परेशानी से बचने के लिए बेहद जरूरी है। सरकारी पेंशनर्स के लिए नवंबर का महीना अहम है। 80 साल से कम उम्र के पेंशनभोगियों को 1 से 30 नवंबर के बीच अपना लाइफ सर्टिफिकेट जमा करना अनिवार्य है। 80 वर्ष या उससे अधिक उम्र वालों के लिए यह प्रक्रिया 1 अक्टूबर से जारी है। समय पर प्रमाणपत्र जमा न करने पर पेंशन रुक सकती है। इसे बैंक, जीवन प्रमाण ऐप या डोरस्टेप बैंकिंग से जमा किया जा सकता है। म्यूचुअल फंड निवेशकों को 1 नवंबर से डायरेक्ट प्लान का फायदा मिलेगा। अब म्यूचुअल फंड कंपनियों की वेबसाइट/ऐप पर डायरेक्ट प्लान डिफॉल्ट विकल्प होगा। इसका मकसद निवेशकों को कम कमीशन वाले और लागत प्रभावी विकल्प चुनने में मदद करना है। हालांकि, पुराने निवेश और एसआईपी इस बदलाव से प्रभावित नहीं होंगे। बैंकिंग क्षेत्र में भी बदलाव हुए हैं। पंजाब नेशनल बैंक ने 50,000 रुपए से अधिक के यूटिलिटी बिल भुगतान पर एक फीसदी शुल्क लगाया है। इंडसइंड बैंक में अपर्याप्त बैलेंस के कारण फेल हुए ट्रांजैक्शन और चेक बाउंस पर भी शुल्क लगेंगे, जिन पर जीएसटी अलग से प्रभावी होगा। वहीं, कुछ ऑडिटेड कारोबारियों के लिए आईटीआर भरने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर से बढ़ाकर 21 नवंबर कर दी गई है, हालांकि यह सभी करदाताओं के लिए नहीं है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शुक्रवार 06 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

निगम द्वारा आवागमन की सुगमता के दृष्टिगत गड्ढा मुक्त सड़के बनाने हेतु सार्थक प्रयास निरंतर जारी

राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल। नगर पालिक निगम, भोपाल द्वारा वर्षा व अन्य कारणों से क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत, संधारण एवं पुनर्निर्माण कर नागरिकों को सुगम व सुरक्षित आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु सार्थक प्रयास किए जा रहे है साथ ही शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत भी सड़कों के निर्माण का कार्य भी लगातार किया जा रहा है। निगम आयुक्त श्री रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर सड़कों के मरम्मत, संधारण, पुनर्निर्माण आदि के कार्यों को मानक स्तर की गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के दृष्टिगत निगम के अधिकारी अपने अधीनस्थ क्षेत्रों में प्रचलित कार्यों का सूक्ष्मता से निरीक्षण भी कर रहे है और समय सीमा में कार्यों को पूर्ण भी करा रहे है। निगम आयुक्त श्री रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर निगम के यांत्रिक विभाग के अमले ने शहर के प्रमुख आवासीय एवं व्यवसायिक क्षेत्रों में नागरिक अधोसंरचना को सुदृड़ बनाने के उद्देश्य से विकास एवं मरम्मत कार्यों को युद्धस्तर पर संचालित किया जा रहा है जिसके तहत जोन क्र. 02 के अंतर्गत वार्ड क्र. 10 के अंतर्गत ईदगाह हिल्स स्थित गुरूद्वारा व कम्युनिटी हॉल क्षेत्र में मुख्यमंत्री अधोसंरचना के अंतर्गत सीमेंट क्रांकीटीकृत सड़कों का निर्माण कराया गया है। उक्त सड़क के निर्माण से इस क्षेत्र की बड़ी आबादी को सुगम व सुरक्षित आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी। निगम द्वारा जोन क्र. 04 के अंतर्गत वार्ड क्र. 17 के इब्राहिमगंज, शांति नगर कबाड़खाना क्षेत्र को जोडने वाली सड़क का निर्माण भारत सरकार की महत्वकांक्षी योजना एन-केप के तहत सीमेंट क्रांकीटीकृत सड़क का निर्माण कराया गया है।



महापौर श्रीमती मालती राय ने बरखेड़ा पठानी में छठ पूजा कुण्ड का किया निरीक्षण

भोपाल। महापौर श्रीमती मालती राय ने सरस्वती मंदिर परिसर ई-सेक्टर बरखेड़ा में छठ पूजा हेतु पूर्व से निर्मित कुण्ड के मरम्मत कार्य और नवनिर्मित कुण्ड के निर्माण कार्य का अवलोकन किया और निर्माण कार्यों के संबंध में जानकारी प्राप्त की और शेष रहे कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देष दिए। निरीक्षण के दौरान जोन अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय पार्षद श्री नीरज सिंह, कार्यपालन यंत्री श्री एस.के.राजेष, छठ पूजा आयोजन समिति के पदाधिकारी, सहित निगम के अन्य अधिकारी व स्थानीय नागरिक मौजूद थे। महापौर श्रीमती मालती राय ने गुरूवार को सरस्वती मंदिर परिसर ई-सेक्टर बरखेड़ा में छठ पूजा हेतु निरीक्षण किया। महापौर श्रीमती राय ने छठ पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए छठ पूजा कुण्ड के चारो ओर बेहतर ढंग से आर.सी.सी.कार्य कराने के निर्देष दिए। महापौर श्रीमती राय ने परिसर में स्थित कुएं की मुंडेरों की मरम्मत कराकर रंगाई-पुताई कराने के निर्देष दिए। महापौर श्रीमती राय ने सभी कार्यों को मानक स्तर की गुणवत्ता के साथ शीघ्रता से पूर्ण कराने हेतु निर्देषित किया साथ ही निर्देषित किया कि छठ पूजा आयोजन हेतु पूरे परिसर की बेहतर साफ-सफाई कराकर आवष्यकतानुसार जमीन का समतलीकरण कार्य भी कराया जाए जिससे छठ पूजा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। महापौर श्रीमती राय ने पूर्व से निर्मित कुण्ड की साफ-सफाई व पुताई कराने के निर्देष भी दिए।



भोपाल मास्टर प्लान के ड्राफ्ट पर 16 नवंबर से सुनवाई शुरू होगी

भोपाल मास्टर प्लान-2047 के ड्राफ्ट पर आईं आपत्तियों पर 16 नवंबर से सुनवाई शुरू होगी। करीब 13 हजार आपत्तियों को ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही तरीकों से सुना जाएगा। गुरुवार को सांसद आलोक शर्मा समेत विधायक व अन्य जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में सुनवाई के संबंध में चर्चा की गई। 25 अक्टूबर तक आपत्तियां ली गई थीं। इस दौरान 16 हजार से ज्यादा आपत्तियां मिली। हालांकि, करीब 3 हजार आपत्तियां ऐसी थीं, जो एक से अधिक बार दी गई थी। यानी, किसी एक व्यक्ति ने ऑनलाइन आपत्ति भी दर्ज करा दी और ऑफलाइन भी दस्तावेज दे दिए। इसके चलते इन्हें हटा दिया गया। आपत्तियों की संख्या अब करीब 13 हजार हो गई हैं। इन्हीं की सुनवाई 16 नवंबर से होगी। मास्टर प्लान 2047 का ड्राफ्ट जारी होने के बाद नगर एवं ग्राम निवेश को जनता से प्राप्त हुईं आपत्तियां, दावे और सुझावों पर चर्चा के लिए कलेक्टोरेट में बैठक हुई। इसमें आपत्तियों पर सुनवाई 16 नवंबर से करने का निर्णय लिया। अब विभागीय अधिकारी पूरा शेड्यूल बना रहे हैं। ताकि, साफ हो सके कि कब-कहां की आपत्तियों की सुनवाई की जाएगी। बैठक में सासंद आलोक शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी, महापौर मालती राय, एडीएम प्रकाश नायक, संयुक्त संचालक नगर एवं ग्राम निवेश आनंद मोहन लिखार सहित ग्रामीण अंचलों से आए सरपंच एवं अधिकारी मौजूद थे।

मप्र पंचायत उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित,4 दिसंबर को होगा मतदान

भोपाल। मध्य प्रदेश में पंचायतों के रिक्त पदों पर उप निर्वाचन वर्ष 2026 का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। इसके तहत प्रदेश में जिला पंचायत के एक,जनपद पंचायत के एक और सरपंच के पांच पदों के लिए चुनाव कराया जाएगा। मतदान 4 दिसंबर को सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक होगा। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव दिनेश श्रीवास्तव ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि उपचुनाव के लिए नाम निर्देशन पत्र जमा करने की प्रक्रिया 12 नवंबर से शुरू होगी। नामांकन जमा करने की अंतिम तारीख 19 नवंबर निर्धारित की गई है। प्राप्त नामांकन पत्रों की जांच 20 नवंबर को होगी,जबकि अभ्यर्थी 23 नवंबर तक अपने नाम वापस ले सकेंगे। इसी दिन चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन किया जाएगा। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार सरपंच,जनपद पंचायत सदस्य और जिला पंचायत सदस्य के लिए विकासखंड मुख्यालय पर ईवीएम से मतगणना 8 दिसंबर को सुबह 8 बजे से शुरू होगी। इसी दिन सरपंच और जनपद पंचायत सदस्य के

ड्रग्स और अवैध शराब की बिक्री पर करें कठोर कार्रवाई : संभागायुक्त शर्मा

संभागायुक्त कार्यालय में विभाग के सभी जिलों की अर्न्तविभागीय समीक्षा की बैठक

भोपाल। भोपाल संभाग के सभी जिलों में ड्रग्स और अवैध शराब के निर्माण,बिक्री, परिवहन आदि के विरूद्ध निरंतर अभियान चलाकर ऐसा करने वालों के खिलाफ रासुका,एनडीपीएस एक्ट आदि के अंतर्गत कठोर कार्रवाई की जाए,इनका नेटवर्क ध्वस्त किया जाए। साथ ही नशे के दुष्परिणामों के संबंध में जागरूकता अभियान चलाया जाए। इस कार्य में थोड़ी भी लापरवाही अथवा कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पूर्ण अर्न्तविभागीय समन्वय और अर्न्तजिला समन्वय के साथ भोपाल संभाग को ड्रग्स मुक्त और अवैध शराब मुक्त किया जाए। यह निर्देश भोपाल संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने गुरुवार को संभागायुक्त कार्यालय में विभाग के सभी जिलों की अर्न्तविभागीय समीक्षा बैठक लेकर अधिकारियों को दिए। बैठक में वीसी के माध्यम से भोपाल पुलिस कमिश्नर संजय कुमार,आईजी देहात पंकज पाण्डे,आईजी नर्मदापुरम चंद्रशेखर सोलंकी, संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, आबकारी अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि संभाग के सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और छात्रावासों में एन्टी ड्रग्स समितियां बनाई जाएं,जो नियमित बैठकें करें और ड्रग्स के उपयोग के विरूद्ध विद्यार्थियों को जागरूक करें।

दीपावली पर स्वदेशी उत्पादों की खरीद को प्राथमिकता दें: संभागायुक्त

भोपाल। संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने कहा कि दीपावली पर्व के पावन अवसर पर वोकल फॉर लोकल का संकल्प लें तथा स्वदेशी उत्पादों की खरीद को प्राथमिकता दें। उन्होंने दीपावली पर्व के अवसर पर समस्त संभागवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा,भाईदूज आदि की शुभकामनाएं दी हैं और आशा व्यक्त की है कि सभी का जीवन खुशी, समृद्ध और मंगलमय हो। उन्होंने कहा कि आइए,हम सभी मिलकर दीपावली के इस पावन पर्व को खुशियां बांटने,आत्मीयता बढ़ाने तथा सामाजिक सौहार्द और समृद्धि को सशक्त बनाने के संकल्प के साथ मनाएं। कर्मवीर शर्मा ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि दीपावली का यह पावन पर्व अंधकार पर प्रकाश,असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। मेरी मंगलकामना है कि दीपों का यह महापर्व प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख, शांति,खुशहाली और समृद्धि का नया उजाला लेकर आए। ईश्वर से प्रार्थना है कि हर घर-आंगन खुशियों के दीपों से रोशन हो तथा समाज में प्रेम, सद्भाव और आपसी भाईचारे की भावना और अधिक सुदृढ़ हो। उन्होंने कहा कि इस शुभ अवसर पर आप सभी से आग्रह है कि स्थानीय कलाकारों, कुम्हारों एवं माटी के शिल्पकारों को प्रोत्साहित करने के लिए वोकल फॉर लोकल का संकल्प लें और स्वदेशी उत्पादों की खरीद को प्राथमिकता दें। साथ ही, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं सुरक्षा का विशेष ध्यान रखते हुए दीपावली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाएं।



सीएम डॉ.यादव आज मुरैना के ग्राम करुआ में हितग्राहियों से करेंगे संवाद

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार, 6 नवम्बर को मुरैना जिले के ग्राम करुआ में स्वामित्व योजना के अंतर्गत ग्रामीणों को उनकी सम्पत्ति का मालिकाना हक दिलाने और सम्पत्ति संबंधी अधिकारों को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाये जा रहे अभियान में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वामित्व योजना के हितग्राहियों से संवाद भी करेंगे। साथ ही मुरैना जिले के स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे। जनसंपर्क अधिकारी मधु सोलापुरकर ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि स्वामित्व योजना के माध्यम से ग्रामीण आबादी क्षेत्र में स्थित मकानों एवं अन्य सम्पत्तियों के पात्र हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख एवं सम्पत्ति स्वामित्व संबंधी दस्तावेज उपलब्ध कराये जा रहे हैं। इससे ग्रामीण परिवारों को अपनी सम्पत्ति का कानूनी अधिकार प्राप्त होगा। साथ ही उन्हें आर्थिक गतिविधियों एवं वित्तीय सुविधाओं का लाभ लेने में भी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव के निर्देश पर शुक्रवार 6 नवम्बर से ग्रामीणों को स्वामित्व योजना का लाभ देने के लिये मंत्री,सांसद एवं विधायक गांव में पहुंचकर अपनी उपस्थिति में शत-प्रतिशत रजिस्ट्री पूर्ण करायेंगे। प्रदेश में अब तक लगभग 15 लाख 98 हजार 46 रजिस्ट्रियां की जा चुकी हैं और 15 नवम्बर तक 20 लाख रजिस्ट्रियां पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित है। इस अभियान के माध्यम से ग्रामीणों को उनकी सम्पत्तियों का वैधानिक मालिकाना हक दिलाने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है।

दिवाली पर बिजली आपूर्ति के लिए तैनात रहेंगे 1 हजार से अधिक कर्मचारी



जगमग दीपावली मनाने के लिए मध्यप्रदेश विद्युत कंपनी ने किए विशेष इंतजाम

भोपाल। जगमग दीपावली के लिए मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा हर घर,दुकान,प्रतिष्ठान एवं व्यपारिक केन्द्रों को रोशनी के हर संभव प्रयास किए हैं। कंपनी ने अपने कार्यक्षेत्र के कमिश्नरी जिला मुख्यालय,तहसील मुख्यालय,ब्लॉक मुख्यालय और ग्रामीण क्षेत्रों में अस्थाई शिकायत निवारण केन्द्र खोले हैं। वहीं भोपाल शहर में शिकायत निवारण के लिए लगभग 1,880 कार्मिकों की ड्यूटी चौबीसों घंटे शिकायत निवारण और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए लगाई गई हैं। यह टीमें एफओसी वाहन,सुरक्षा उपकरणों और आवश्यक विद्युत सामग्री/उपकरणों के साथ तीन शिफ्टों में उपभोक्ता शिकायतों का निराकरण करने के साथ ही निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करेंगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया है कि भोपाल शहर के पूर्व संभाग,पश्चिम संभाग,उत्तर संभाग, दक्षिण संभाग एवं कोलार संभाग अंतर्गत आने वाले सभी 27 जोन/वितरण केन्दों सहित सभी 33/11 उपकेन्द्रों पर कार्मिकों की विशेष टीमें दीपावली पर्व के दौरान निरंतर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 6 नवम्बर से 9 नवम्बर तक विशेष व्यवस्था के तहत कार्य करेंगी। कंपनी ने भोपाल शहर में तैनात सभी टीमों को विद्युत सुधार और एफओसी की सुचारू व्यवस्था के लिए वाहन एवं सुरक्षा उपकरण सहित सभी साजों-सामान उपलब्ध कराया है। मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने अपने कार्यक्षेत्र के उपभोक्ताओं से आग्रह किया है कि यदि उनकी घर की बिजली में अवरोध हो तो कंपनी के कॉल सेंटर के नंबर 1912, उपाय एप पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं अथवा व्हाट्सएप चैटबॉट नंबर 0755-2551222 पर भी शिकायत भेज सकते हैं। इसके लिए कंपनी के कॉल सेंटर को भी पूरी तरह से मुस्तैद कर दिया गया है और कॉल सेंटर में प्रत्येक कॉल रिसीव करने का इंतजाम किया है।

हर अधिकारी एक आंगनवाड़ी को गोद लेकर बनाए आदर्श केंद्र : संदीप जीआर

आयुक्त ने इंदौर में महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक को किया संबोधित

भोपाल। मध्य प्रदेश महिला एवं बाल विकास विभाग के आयुक्त संदीप जी.आर. ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों को केवल पोषण एवं शाला पूर्व शिक्षा के केंद्रों तक सीमित न रखते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास के आदर्श केंद्रों के रूप में विकसित किया जाए। इसके लिए विभाग का प्रत्येक अधिकारी अपने नियमित शासकीय दायित्वों के अतिरिक्त कम से कम एक आंगनवाड़ी केंद्र को गोद लेकर उसके समग्र उन्नयन की व्यक्तिगत जिम्मेदारी निभाए। उन्होंने कहा कि केंद्रों में स्वच्छता,सुरक्षित एवं बाल अनुकूल वातावरण,बेहतर अधोसंरचना, गुणवत्तापूर्ण शाला पूर्व शिक्षा और उपलब्ध सुविधाओं में सुधार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। आयुक्त संदीप जी.आर. गुरुवार को इंदौर में महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विभागीय योजनाओं और सेवाओं के जमीनी क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रशासनिक निगरानी के साथ अधिकारियों की व्यक्तिगत सहभागिता भी आवश्यक है। प्रत्येक अधिकारी अपने चयनित केंद्र को सभी दृष्टियों से आदर्श बनाने का प्रयास करे, जिससे अन्य केंद्रों को भी बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिले। आयुक्त संदीप जी.आर. ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों में आने वाले बच्चों को स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। जिन स्थानों पर शासकीय भवन उपलब्ध नहीं हैं, वहां केंद्रों के संचालन के लिए उपयुक्त एवं बेहतर किराए के भवनों का चयन किया जाए। उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्रों से शिक्षा प्राप्त कर चुके युवाओं को भी इन केंद्रों के विकास से जोड़ने की पहल करने को कहा। उन्होंने कहा कि पूर्व में इन केंद्रों से जुड़े युवा भविष्य में इनके उन्नयन में महत्वपूर्ण सहयोगी बन सकते हैं। बैठक में आयुक्त संदीप जी.आर. ने विभागीय अधिकारियों के साथ आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से भी सीधा संवाद किया।



अर्जुन सिंह का सार्वजनिक जीवन लोकतांत्रिक परंपराओं में स्मरणीय रहेगा : नरेंद्र सिंह तोमर

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री की जयंती पर विधानसभा के सेंट्रल हॉल में पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता स्वर्गीय अर्जुन सिंह की जयंती पर गुरुवार, को विधानसभा के सेंट्रल हॉल में आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम में उनके बहुआयामी व्यक्तित्व और सार्वजनिक जीवन में योगदान का स्मरण किया गया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, विधायक अजय अर्जुन सिंह और उनके परिवारजनों सहित जनप्रतिनिधियों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वहीं, इस दौरान अर्जुन सिंह के राजनीतिक जीवन, प्रदेश के विकास, सामाजिक न्याय, शिक्षा के विस्तार, सांस्कृतिक चेतना और लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका को रेखांकित किया गया। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि स्वर्गीय अर्जुन सिंह का व्यक्तित्व और कृतित्व सार्वजनिक जीवन में काम करने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए अनुकरणीय रहा है। पूरा प्रदेश और देश उनके योगदान से परिचित है। उनका राजनीतिक जीवन लंबा रहा और उन्होंने प्रदेश तथा राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। उनके सार्वजनिक जीवन के अनुभव और कार्यों को सदैव याद किया जाता रहेगा। अर्जुन सिंह ने अपने राजनीतिक जीवन में सामाजिक रूप से कमजोर, पिछड़े और वंचित वर्गों के हितों को भी प्रमुखता दी। सार्वजनिक जीवन में उनकी पहचान एक ऐसे नेता के रूप में रही, जिन्होंने प्रशासनिक जिम्मेदारियों के साथ शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक कल्याण के विषयों को भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनाया। 4 मार्च 2011 को उनका निधन हो गया था, किंतु मध्य प्रदेश की राजनीति, प्रशासन,शिक्षा और सांस्कृतिक संस्थाओं के विकास में उनके योगदान की चर्चा आज भी होती है। विधानसभा में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में विधायक भगवानदास सबनानी, विधायक अजय अर्जुन सिंह, परिवार के सदस्य, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक तथा विधानसभा के अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने पुष्पांजलि अर्पित कर उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया।



देश में अराजकता फैलाने का षड्यंत्र कर रहे है राहुल गांधी : प्रेम शुक्ला

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने दिल्ली के रामलीला मैदान की रैली पर किया हमला

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खण्डेलवाल और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने गुरुवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकार-वार्ता कर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला। प्रेम शुक्ला ने आरोप लगाया कि रामलीला मैदान में राहुल लीला करने वाले लोग देश में अराजकता फैलाने का षड्यंत्र कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी चुनावी विफलताओं को छिपाने के लिए निर्वाचन आयोग और संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बना रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में देशभर में अराजकता फैलाने का प्रयास किया जा रहा है। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कोई नई प्रक्रिया नहीं है। आजादी के बाद अब तक 12 बार यह प्रक्रिया अपनाई जा चुकी है, जिनमें 10 बार कांग्रेस शासनकाल में हुई। भाजपा शासनकाल में दो बार एसआईआर हुआ। इसके बावजूद राहुल गांधी मतदाता सूची से 13 करोड़ लोगों के नाम काटे जाने का भ्रामक आंकड़ा पेश कर जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष विदेशी नागरिकों और घुसपैठियों को मतदाता सूची में बनाए रखने के लिए विवाद खड़ा कर रहा है। खण्डेलवाल ने कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी है। मृत व्यक्तियों के नाम हटाना, एक से अधिक स्थानों पर दर्ज नामों का दोहराव समाप्त करना और स्थायी रूप से स्थानांतरित मतदाताओं का सत्यापन करना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है। पात्र नागरिकों के नाम सुरक्षित रखते हुए अपात्र और डुप्लीकेट नाम हटाना आवश्यक है। एसआईआर के दौरान बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के साथ भाजपा, कांग्रेस सहित सभी राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) भी शामिल रहते हैं। प्रत्येक व्यक्ति को मतदाता सूची के संबंध में आपत्ति दर्ज कराने का अधिकार है।



राहुल की हरकतों से कांग्रेस का राजनीतिक ग्राफ नीचे गिरता गया

भोपाल। इस दौरान प्रेम शुक्ला ने कांग्रेस और भाजपा के विधायकों की संख्या का तुलनात्मक विवरण देते हुए कहा कि वर्ष 2008 में राहुल गांधी को कांग्रेस महासचिव बनाए जाने के समय देश में कांग्रेस के 1,182 और भाजपा के 889 विधायक थे। वर्ष 2014 में राहुल गांधी के कांग्रेस उपाध्यक्ष बनने के समय कांग्रेस के विधायकों की संख्या घटकर 883 रह गई,जबकि भाजपा के विधायक बढ़कर 1,035 हो गए। वर्ष 2017 में राहुल गांधी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के समय कांग्रेस के 807 और भाजपा के 1,365 विधायक थे। वर्ष 2024 में राहुल गांधी के लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनने के समय कांग्रेस के विधायकों की संख्या 654 रह गई,जबकि भाजपा के विधायक 1,588 हो गए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कांग्रेस के 663 विधायकों के मुकाबले भाजपा के 1,819 विधायक हैं। राहुल गांधी को जब-जब कांग्रेस में बड़ी जिम्मेदारी मिली, पार्टी का राजनीतिक ग्राफ नीचे गिरता गया। कांग्रेस का जनाधार क्यों सिमट रहा है, इसका जवाब राहुल गांधी को देना चाहिए। लेकिन पार्टी में नेतृत्व पर सवाल उठाने का साहस किसी नेता में नहीं है। इसलिए अपनी राजनीतिक विफलता छिपाने के लिए वोट चोरी और एसआईआर को मुद्दा बनाया जा रहा है। प्रेम शुक्ला ने दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस की रैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि पार्टी ने 10 लाख लोगों के जुटने का दावा किया था, जबकि वास्तव में करीब 25 हजार लोग ही पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि रैली के लिए दीपावली से ठीक पहले दिल्ली के पुराने बाजारों के लगभग तीन लाख व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को बंद करना पड़ा, जिससे व्यापारियों को आर्थिक नुकसान हुआ। व्यापारिक संगठनों ने प्रदर्शन की तारीख बदलने की अपील भी की थी, लेकिन कांग्रेस ने उनकी बात नहीं मानी।

सनातन धर्म पूरे विश्व को अपना एक कुटुंब मानता है : दिग्विजय सिंह



यात्रा पर निकलने पूर्व सीएम ने गुना के राघौगढ़ में सभी को किया संबोधित

भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने गुना के राघौगढ़ में कहा-हिंदुत्व की तरफ जाने वालों के दिल-दिमाग में नफरत भर दी जाती है। सनातन धर्म का सही स्वरूप नहीं बताया गया तो लोग इसे भूलकर हिंदुत्व की तरफ चले जाएंगे। दिग्विजय ने राम मंदिर के चंदे का हिसाब भी मांगा। चंदे में गड़बड़ी की गई। हिसाब मांगने वाले मांगने वाले और आडवाणी की रथयात्रा का विरोध करने वाले एक महंत की हत्या कर दी गई थी। वहीं, दिग्विजय के बयान पर खेल मंत्री विश्वास सारंग ने कहा- दिग्विजय की यात्रा सनातन धर्म को बदनाम करने वाली है। उन्हें शर्म आनी चाहिए। मंत्री सारंग ने कहा कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह की यह सब चुनाव लड़ने के लिए नोटंकी है,उन्होंने सनातन धर्म से कोई लेना देना नहीं है। दरअसल, दिग्विजय उज्जैन से अयोध्या तक करीब 1000 किलोमीटर की सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा निकाल रहे हैं। उन्होंने इसके दो उद्देश्य बताए- लोकतंत्र बचाना और सनातन धर्म को हिंदुत्व के रूप में पेश किए जाने का विरोध करना। दिग्विजय सिंह ने कहा कि सनातन धर्म का संदेश है- धर्म की जय हो,अधर्म का नाश हो, प्राणियों में सद्भावना हो और विश्व का कल्याण हो। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म पूरे विश्व को एक कुटुंब मानता है। कोई भी धार्मिक आयोजन शांति पाठ के बिना पूरा नहीं होता। उन्होंने कहा कि अगर सनातन धर्म का सही प्रारूप लोगों के सामने नहीं रखा गया तो लोग इसे भूल जाएंगे। इसके बाद हिंदुत्व की तरफ जाने वालों के मन में नफरत भर दी जाएगी और घर-घर झगड़े होंगे। दिग्विजय सिंह ने कहा कि लोग उनसे पूछते हैं कि 80 साल की उम्र में 1000 किलोमीटर की यात्रा पर क्यों निकले हैं। वे विधायक, सांसद, मंत्री और मुख्यमंत्री रह चुके हैं। अब उन्हें देश के सामने लोकतंत्र और सनातन धर्म को लेकर दो बड़े संकट दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने आजादी और संविधान का जिक्र करते हुए कहा कि देश में लोकतंत्र जनता के वोट से कायम हुआ है। पहले तलवारों और हथियारों के दम पर सत्ता हासिल की जाती थी, लेकिन अब जनता अपने वोट से सरकार चुनती है। उन्होंने निष्पक्ष चुनाव आयोग को लोकतंत्र के लिए जरूरी बताया। दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा विधायकों और सांसदों को खरीदती है और नकली वोट डलवाती है। उन्होंने श्वङ्करू पर सवाल उठाते हुए कहा कि मशीन में वोट कहां जा रहा है, इसका पता नहीं चलता। सभा में मौजूद लोगों से बैलेट पेपर से चुनाव कराने पर सहमति मांगी। दिग्विजय ने राहुल गांधी की वोट चोरी से जुड़ी मुहिम का जिक्र करते हुए कहा कि इस मुद्दे को जन-जन तक पहुंचाना है। दिग्विजय सिंह ने राम मंदिर के लिए जुटाए गए चंदे का हिसाब मांगा। उन्होंने दावा किया कि रामशिला पूजन के दौरान 1400 से 1700 करोड़ रुपए तक चंदा इकट्ठा होने की चर्चा थी, जबकि विश्व हिंदू परिषद ने 8.29 करोड़ रुपए का हिसाब बताया था। उन्होंने अयोध्या के महंत बाबा लालदास का जिक्र किया। उन्होंने कहा-लालदास ने चंदे का हिसाब मांगा था।